



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 20, 1975 (अग्रहायण 29, 1897)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 20, 1975 (AGRAHAYANA 29, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ए०-11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 20-10-75 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संरचना के निम्नलिखित तीन अधिकारियों को आयोग के कार्यालय में 1-11-75 से दो मास की अतिरिक्त प्रवधि के लिए अधिकारी आगामी आदेशों तक, जो भी पहुँचे हो, अनभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	के० स० से० संव में पद
1.	सर्वेश्वी बी० एस० कपूर	अनुभाग अधिकारी
2.	बी० एन० प्ररोड़ा	—बही—
3.	के० एल० कत्याल	सहायक

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन

समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24)-ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 में निहित शतों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० पी०-1570/प्रशासन-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) क्लास-II, अलिप्तिक वर्गीय श्रीमती इन्दुमती शेवडे को कार्यालय तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्थापना (ए०) दिनांक 24-11-1973 की शतों के अनुसार 31-10-1975 के अपराह्न से वार्षिक निष्पत्ति की आयु को प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने के लिए सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

पी० एन० मुख्यमंत्री,
प्रवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी),
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० ए०-१५७/६७-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा दिल्ली पुलिस (बी० ए० एन०-१) के पुलिस निरीक्षक श्री सुरजीत सिंह को दिनांक १-११-७५ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्थ पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर, 1975

सं० पी० एफ०/एस०-२१/७४-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० कुमारास्वामी, भारतीय पुलिस सेवा (तमिल-नाडु) को इस कार्यालय के दिनांक १८-९-७४ की अधिसूचना सं० ३-७-७४-प्रशा०-५ के द्वारा पहले अधिसूचित की गई दिनांक ७-९-७४ के बजाय दिनांक ३१ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० ए०-३५०१८/१५/७५-प्रशा०-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के पुलिस निरीक्षक श्री बिभाश भूषण मुखर्जी को दिनांक ७ नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-३५०१८/१५/७५-प्रशा०-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस उप-निरीक्षक श्री रमेश चन्द्र मुखर्जी को दिनांक १ नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुजराती लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1975

सं० एन०-३१/६५-प्रशासन-५—एयर इंडिया में वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त श्री एन० पी० रेगे,

पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक १८-१०-७५ को नियतीत की आयु प्राप्त कर ली और दिनांक ३१-१०-१९७५ के अपराह्न से वे सरकारी-सेवा में निवृत्त हो गए।

विजय पाल पाण्डे,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११०००३, दिनांक नवम्बर 1975

सं० ई०-१६०१६/८/७३-प्रशा० १—केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर अपने मूल मंत्रालय (अर्थात् गृह मंत्रालय) में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री ज० एस० खन्ना ने दिनांक २३ अक्टूबर, १९७५ के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली, के अनुभाग अधिकारी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्मालय, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक २० नवम्बर, 1975

सं० एडमन-१/५५-प्रोमोशन/७४—७६/३०२६—एफ० आर०-५६ की धारा (जे) के अन्तर्गत उनको सरकारी सेवा से निवृत्त होने के लिए दिए गए तीन मास के नोटिस के समाप्त होने तथा उसके अनुसरण में इस कार्यालय के लेखा अधिकारी सर्वश्री ज० के० सक्सेना (गोविन्द किशोर सक्सेना) तथा गुरु प्रसाद दिनांक ३०-११-७५ (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे।

इस कार्यालय के अग्रिमलेखानुसार सर्वश्री ज० के० सक्सेना और गुरु प्रसाद की जन्म तिथियां क्रमशः १५-१०-१८ और १५-१०-२४ हैं।

एस० एस० तुण्डल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

भारत के नियंत्रक सथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1975

अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने मिस्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में पदोन्नत किया है और अगला आदेश मिलने तक उन्हें प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में दिये गये कार्यालयों में नीचे दिए गए कालम 4 में उल्लिखित तारीख से स्थानापन्न रूप से लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) नियुक्त किया है:—

प्रनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	पदोन्नति से पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	कार्यालय जिसमें पदोन्नति स्थानापन्न लेखापरीक्षा पर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त किया गया	कार्यालय जिसमें पदोन्नति स्थानापन्न लेखापरीक्षा पर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त किए जाने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वथी			
1. निमाई कुमार शाह	महालेखाकार पश्चिम बंगाल-1	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला), कलकत्ता	28-7-75 (पूर्वाह्न)
2. गोड्हरि मंडल	महालेखाकार पश्चिम बंगाल-1	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची	30-8-75 (पूर्वाह्न)
3. जे० एल० श्रीवास्तवा	महालेखाकार उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद	महालेखाकार बिहार, पटना	27-6-75 (पूर्वाह्न)
4. टी० जी० वैकटारमा आयंगर	महालेखाकार, कर्नाटक	महालेखाकार कर्नाटक	4-6-75 (पूर्वाह्न)
5. पी० सी० पार्थसारथी	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	7-6-75 (पूर्वाह्न)
6. बदरी लाल शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान	महालेखाकार, राजस्थान	5-6-75 (पूर्वाह्न)
7. आर० एन० महेश्वरी	महालेखाकार, राजस्थान	महालेखाकार, मध्य-प्रदेश, ग्वालियर	16-6-75 (पूर्वाह्न)
8. रामेश्वर प्रसाद शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान	महालेखाकार, पंजाब	16-6-75 (पूर्वाह्न)
9. ए० एम० शेख	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	महालेखाकार (वैज्ञानिक और वाणिज्यिक विभाग), बम्बई	2-6-75 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
10. पी० ई० एसो	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा, अम्बई	महालेखाकार (वैज्ञानिक और वाणिज्यिक विभाग),	2-6-75 (पूर्वाह्नि)
11. एज० एन० कुण्ठीया शेटी	महालेखाकार, कर्नाटक	महालेखाकार, कर्नाटक	12-6-75 (पूर्वाह्नि)
12. एल० थीपैथ्या	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा, बंगलौर	महालेखाकार (तमिल नाडु), मद्रास	27-6-75 (पूर्वाह्नि)
13. टी० आर० श्रीपाद राजा	नियंतक परीक्षक के कार्यालय में प्रति नियुक्ति पर	महालेखाकार, कर्नाटक	7-7-75 (पूर्वाह्नि)

कार्यालय, महालेखाकार एक, मध्यप्रदेश
ग्वालियर, 224000, दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं० प्रशासन एक/374—महालेखाकार, मध्यप्रदेश एक, ग्वालियर, ने निम्नांकित स्थाई अनुभाग अधिकारी को उनके नाम के सामनेदेशये गये दिनांक से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

1. श्री एस० डी० निदेदी (02/0187), 27-10-75
पूर्वाह्नि।

एस० एल० मलहोदा,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, महाराष्ट्र-
बम्बई-400020, दिनांक 12 नवम्बर, 1975
सं० एडमिन I/श्रीई० ए० डी०/31-बोल्युम-II—महालेखाकार महाराष्ट्र-I बम्बई श्रद्धीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सामुदायक निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	दिनांक
सं०		
1.	श्री श्री० एन० श्रीनिवासन	3-10-75 अपराह्नि
2.	श्री एम० नौ नचनानी	10-10-75 पूर्वाह्नि
3.	श्री आर० डी० गुजर	20-10-75 (पूर्वाह्नि)

ए० बी० पालेकर,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

सुशील देव भट्टाचार्य,
उप निवेशक (वाणिज्यिक)
कार्यालय, महालेखाकार, आंध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-500004, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

सं० ई० बी०-I/8-312/74-75/317—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के श्रद्धीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० एस० सब्हेसन को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान ₹० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 17-11-75 के पूर्वाह्नि से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

(ह०) अपठनीय
प्रबर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० एडमिन-1/2 (4)/v/8512-24,—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, श्री सुर्दिंदर पाल अनुभाग अधिकारी को दिनांक 1/1/75 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, बम्बई के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर अनन्तिम आधार पर पदोन्नति करते हैं।

बी० बी० देव राय,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आईनेस्स फैक्टरियां

भारतीय आईनेस्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

सं० 45/75/जी०—वाधुंक्षण निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० वी० ए० वारियार, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी एस० ए०) दिनांक 31-5-75 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुई।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आईनेस्स फैक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1975

स्थापना

सं० 6/65/54-प्रशा० (राज०)/11332—सेवा निवर्तन आयु होने पर, श्री एच० एस० भनसुखानी ने 31 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न को उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में छोड़ दिया।

सं० 6/906/70-प्रशा० (राज०)/11344—सेवा निवर्तन आयु होने पर, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी श्री एन० आर० रामासुभामणियन ने 31 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न को सांख्यिकीय निदेशक के पद का कार्यभार इस कार्यालय में छोड़ दिया।

श्री० छी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1975

सं० प्र०-6/247(580)/67—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-III की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण श्री एस० के० पाण्डे को दिनांक 21-10-1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री पाण्डे ने दिनांक 20-10-1975 के अपराह्न से उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) राऊर केला के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार छोड़ दिया तथा 21-10-1975 के पूर्वाह्न से धातुकर्म निरीक्षण, जमशेदपुर में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,

उप निदेशक (प्रशासन)

हृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० प्र०-6/247 (351)/72/III—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-I में स्थायी अधिकारी श्री ए० मित्र को दिनांक 11 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (निरीक्षण) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मित्र ने दिनांक 4 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को भारतीय द्रूतावास, जापान में, निरीक्षण निदेशक, निरीक्षण सेल, टोक्यो, जापान का पदभार छोड़ दिया तथा 11 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (निरीक्षण) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247(386) भाग-III—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I की इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III में स्थायी अधिकारी श्री एम० टी० कान्से जो इस समय सेवा के ग्रेड-II में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 4-11-75 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एम० टी० कान्से ने निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक, निरीक्षण (इंजीनियरी) का पदभार छोड़ दिया है तथा 4-11-1975 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निरीक्षण संकाय के मुख्यालय में निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1975

सं० 2/12/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनके नामों के प्रागे लिखी तारीखों से अग्रेतर आदेशों तक उनमें से प्रत्येक के नाम के प्रागे उल्लिखित आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की तारीख
सं०			
1.	श्री आर० एम० एस० परमार	दूर दर्शन केन्द्र (अमृतसर), नई दिल्ली।	22-9-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० पी० अहूजा	दूर दर्शन केन्द्र लखनऊ।	27-10-75 (पूर्वाह्न)

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक
कृत महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

सं० 8/1-(10)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० एम० परनामी, को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अन्तर्गत केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली, में 6 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री के० एम० परनामी महालेखाकार, विहार, रांची, के कार्यालय से प्रतिनियुक्त पर हैं। यह प्रतिनियुक्त भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, के समय समय पर यथासंशोधित कार्यालय जापन संख्या एफ० 10(24) ई०-3/60, दिनांक 4-5-1961 के अन्तर्गत विनियमित की जाएगी।

के० वेणुगोपाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर, 1975

सं० 9-11/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक ने कुमारी कमलेन एम० जी० को 10 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राज-कुमारी अमृतकोर उन्नवर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, में कलीनिकी अनुदेशिका के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 1-5/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, श्री बलदेव राज को 11 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तदर्थे आधार पर उसी संस्थान में सहायक प्रोफेसर (स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर नियुक्त किया है।

सहायक प्रोफेसर (स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री बलदेव राज ने 11 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1975

सं० 16-39/74-एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० एन० गुहा, लेखा अधिकारी कार्यालय वरिष्ठ उप महालेखाकार वर्णिय, निर्णय एवं विधि, कलकत्ता, को 14-4-75 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक विकितसा सामग्री भंडार डिपो, कलकत्ता, में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप निदेशक, प्रशासन

कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)

वनस्पति रक्षण संगरोध और संचयन निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 82-5/74-पी० पी० तथा एल०—भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि विभाग की अधिसूचना संख्या 320-35ए०, दिनांक 20 जुलाई, 1936 के पैरा 16 के अनुसरण

में, में भारत सरकार के वनस्पति रक्षण सलाहकार, उक्त पैरे के उद्देश्यों के लिए, भारत में स्थित वनस्पति संगरोध और धुआरन केन्द्रों के समस्त कार्यभारी अधिकारियों को अधिकार प्रदान करता हूँ।

एस० एन० बनर्जी,
वनस्पति रक्षण सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

सम्पदा प्रबन्धन निदेशालय

बम्बई-400004, दिनांक 24 सितम्बर 1975

जापन

सं० डी० ई० एम०/10/90/70-प्रशासन—मैं इस निदेशालय के श्री जसवंत सिंह, ड्रेड्समैन 'बी' (कार्यप्रभारित) को इस निदेशालय के दिनांक 21-9-1970 के ज्ञापन संख्या 1/1/70/प्रशासन/3413 के पैरा 2 के अनुसार एतद्वारा नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवा उन्हें इस नोटिस के दिये जाने की तारीख से एक महीने की अवधि के पूरा होने पर समाप्त हो जायेगी।

बी० जी० खड़ेकर,
निदेशक, सम्पदा प्रबन्धन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक नवम्बर 1975

सं० ई०(1) 04193—वैधशालाओं के महानिदेशक, कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को नवासी दिन की अवधि के लिये 25-10-1975 के पूर्वाह्न से 21-1-1976 तक स्थानापन रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री भौमिक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,
मौसम विशेषज्ञ,
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० ए०-32013/3/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई अवधियों के लिए नागर विमानन विभाग में सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्ति की कार्योत्तर संस्वीकृति प्रदान की है:—

क्रम	अधिकारी का नाम	तदर्थे नियुक्ति की अवधि सं०
------	----------------	-----------------------------

1. श्री एस० पी० चारी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, (सेवा निवृत्त)
2. श्री सी० एन० राधवन नाथर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, (सेवा निवृत्त)

1-1-1975 से 31-3-75

तक

1-4-1975 से 31-8-75

तक

सं० ए०-३२०१३/१०/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित २४ सहायक तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारियों के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि ३० नवम्बर, १९७५ तक या उनके द्वाया धारित पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, चढ़ा दो है :—

1. श्री एस० कृष्णस्वामी
2. श्री एल० पी० सिंह
3. श्री एन० वैकटापति
4. श्री मृणाल कान्ति पाल
5. श्री बी० एन० गोडबोले
6. श्री जे० थी० शर्मा
7. श्री ए० जी० नरसिंहम
8. श्री एस० जयरामन
9. श्री बी० श्रीनिवासन
10. श्री पी० जे० आयर
11. श्री एन० आर० स्वामी
12. श्री एम० ए० वैणगोपाल
13. श्री एन० एन० गोपालन
14. श्री आर० के० वर्मा
15. श्री बी० अलागिरी
16. श्री पी० सी० बनर्जी
17. श्री एस० पी० हरदास
18. श्री के० के० नारायण
19. श्री एस० पी० जैन
20. श्री के० पी० बी० नायर
21. श्री बी० डी० गारेकर

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

सं० ए०-३२०१३/८/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री के० अंजैया, सहायक निदेशक संचार, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली (मुख्यालय) को श्री बी० एन० शर्मन की छुट्टी रिक्ति में २६-८-१९७५ (पूर्वाह्न) से उसी कार्यालय में उपनिदेशक संचार के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-३८०१२/१/७५-ई० सी०—श्री बी० एन० प्रसाद, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर ३१ अक्टूबर, १९७५ (अपराह्न) से अपने पद का कार्यसार त्याग दिया है।

दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० ए०-३८०१३/१/७५-ई० सी०—अधोलिखित अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है :—

त्र०म् पदनाम और तेजाती स्टेशन	सेवा निष्ठति की तारीख
सं०	

1. श्री बी० पी० सहगल, सहायक संचार अधिकारी, ३१-१०-७५ वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, (अपराह्न) नई दिल्ली।
2. श्री डी० एस० ग्रेवाल, सहायक संचार अधिकारी, ३१-१०-७५ वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली एयरपोर्ट, (अपराह्न) नई दिल्ली।

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० १/३९०/७५-स्था०—श्री सुशील प्रकाश सक्सेना, स्विचिंग काम्लेंस, बम्बई ३० अक्टूबर, १९७५ से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी सहायक नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामसे,
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० १/३६७/७५-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री आर० एल० मेनेजेस को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर १८-८-७५ से लेकर २७-९-७५ (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कूते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-२२, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० क-३१०१४/१/७४-प्रशा० ५—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रनुसंधान अधिकारी (अधियांत्रिकी) के पद पर केन्द्रीय जल संचा

विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना में मौलिक क्षमता में प्रत्येक के सामने दी गई तिथि से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	मौलिक क्षमता में नियुक्ति की तिथि
1.	श्री एम० जै० कमथेकर	14-12-72
2.	श्री एच० पी० शर्मा	1-1-73
3.	श्री एम० बी० अठवाले	1-1-73
4.	श्री रमेश कुमार कोन्डव्या	1-1-74
5.	कुमारी बी० बी० एराण्डे	1-1-74

केंद्रीय भूमि जल विभाग
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केंद्रीय भूमि जल विभाग
फरीदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० 3-372/75-सी० एच० (ई०).—संघ लोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री अबरार हुसैन को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय सख्तनाक के साथ दिनांक 24-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-407/75-सी० एच० (ई०).—श्री एल० एम० मोहगरे को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर रु० 650/- प्रतिमास वेतन पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय नागपुर के साथ दिनांक 30-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-415/75-सी० एच० (ई०).—डा० शमशेर बहादुर सिंह को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय खण्डीगढ़ के साथ दिनांक 23-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख
मुख्य जल भू-विज्ञानी

पूर्ति और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० पी० 2/1.—महालेखाकार कार्यालय उड़ीसा, भुवनेश्वर से प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एम० सुब्राहाराव लेखाधिकारी को पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन के मुख्यालय जेपुर, जिला-कोरापुट, उड़ीसा

में दिनांक 25-10-75 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश जारी होने तक, लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० प्र० सर्वेना

प्रशासन अधिकारी

वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियंता

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमलेन्द्रा इन्जीनियरिंग

इन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं०स्टेट/1419/9244.—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स कमलेन्द्रा इन्जीनियरिंग इन्टर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टि हो गई है।

रम दयाल कुरील,
पंजीयक समावाय

कार्यालय आयकर आयुक्त

बम्बई, दिनांक 28 जुलाई 1975

आयकर स्थापना

सं० 264.—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से आयकर अधिकारी श्रेणी-II के पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त किया गया है :—

1. श्री एच० सेतु राय	2-11-72
2. श्री टी० एम० खड़तरे	1-2-75

ओ० बी० कुरुविल्ला,
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1,
बम्बई

अर्जन रेज धारवाड कार्यालय

तारीख 3-12-1975

शुद्धि पत्र

निर्देश सं० 81/75-76/ए० सी० क्य०.—जिसके द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के आधीन सूचना, तारीख 4 अक्टूबर, 1975 जो भारत राजपत्र, भाग III खण्ड 1 ता० 25 अक्टूबर 1975 में पेज 9045 में प्रकाशित किया गया है। जिसमें इ.ए. ना० २०४३ (श्री रामा राम) (क्रम सं० 5 अन्तरक) को कृपया “श्री सीताराम” और नाम “तुलजासा” (क्रम सं० 1 से 6 अन्तरिती) को कृपया “तुल जणसा” पढ़ा जाए।

पी० सत्यनारायण राव
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन, रेज धारवाड

मोहर :

प्रस्तुप आईटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 दिसम्बर 75

निदेश सं० एल छी एच/1328/75-76—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 है तथा जो कैलाश चौक लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात् :—

2-376 GI/75

(1) श्री चमन लाल चौधरी पुत्र स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल 50, दी माल, मेरठ कैट

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री दौलत राम, निवासी बी-1/1371 छौनी मोहल्ला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सदूर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/185, कैलाश चौक लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 86 अप्रैल 1975 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 6-12-1975
मोहर :

प्रखण्ड धाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एल डी एच/1329/75-76—अतः मुझे, विवेक
प्रकाश मिनोचा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 भाग जायदाद नं० बी-१/184 है तथा जो
कैलाश चौक लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बान या अन्य भास्तियों, को
जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः:—

(1) श्री चमन लाल औधरी पुत्र स्वर्गीय गिरधारी लाल
50, दी माल, मेरठ कैंट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवत्ती पत्नी श्री दौलत राम
निवासी बी-१/1371 छोनी मोहला, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-१/184, कैलाश चौक, लुधियाना
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 87 अप्रैल, 1975 को सब-
रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 5 दिसम्बर 1975

निदेश सं० वी एन एल/1316/75-76—अतः मुझे, विवेक
प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 55 कनाल 11 मरले भूमि है तथा जो गांव
सेखा तहसील बरनाला जिला संगल्हर में स्थित है (और इससे
उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमतो सन्ती विधवा श्री सर्वां राम पुत्र श्री मोदन
राम, निवासी गांव सेखा तहसील बरनाला जिला
संगल्हर

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (i) भागीरथ राम]
(ii) तीरथ राम }
(iii) राम लाल } पुत्र हुक्म चत्व
(iv) बास देव }
निवासी गांव सेखा तहसील बरनाला जिला संगल्हर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

111 कनाल 2 मरले भूमि का 1/2 भाग 55 करनाल 11 मरले
जोकि गांव सेखा तहसील बरनाला जिला संगल्हर में स्थित है।
किला नं० 207/6/2 (1-5), 208/9/2 (4-4), 10/2
(4-4), 11 (7-19), 12 (8-0), 13 (8-0), 209/11
(7-7), 12 (7-7), 208/7/2 (2-9), 8/2 (4-4),
14 (4-14), 17 (4-18), 18 (8-0), 19 (8-0)
20 (7-12), 21/1 (3-8), 22/1 (3-18), 23/1
(3-4), 24/1 (2-4), 215/1/1 (4-12), 1/2 (3-8)
10/1 (2-5),

खाता नं० 628/1136-1137 जमावन्दी साल 1972-73
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1108 मई 1975 में सब-
रजिस्ट्रार बरनाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
तारीख 5-12-1975
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निकेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-719(243)/1-1/75-
76—अतः मुझे ज० कथूरिया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 4225, सब प्लाट नं० 2, म्यूनिसिपल सेन्सस नं० 2713 और 2714 से 2714/4 है, जो शाहपुर वार्ड नं०-II, अहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, भिन्न रूप से सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः —

(1) (1) हन्दुमतीबेन चिमनलाल, बोरसली, खानपुर अहमदाबाद ।
(2) श्रीमती गजीबेन जीवनलाल, बोरसली, खानपुर अहमदाबाद । (अन्तरक)
(2) बोरसली को-आरॉ हाउसिंग सोसायटी-लि० की ओर से :— श्री प्रबोध हीरालाल पटेल, 28/2, पटेल नगर सोसायटी, असारवा, अहमदाबाद-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (बांध काम सहित) जिसका क्षेत्रफल 3076 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 4225, सब प्लाट नं० 2, म्यूनिसिपल सेन्सस नं० 2713, 2714, से 2714/4 तक है और शाहपुर वार्ड नं०-II, अहमदाबाद में स्थित है। और जिसका पूर्ण विवरण विश्वास दस्तावेज नं० 3746 में है और जो 18-4-75 को रजिस्ट्री किया गया है।

ज० कथूरिया
सक्तम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
तारीख 3-12-75
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निवेश सं० एसी० क्य०-23-I-557 (244)/1-1/75-
76—यतः मुझे, जे० कश्युरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक और और जिस की सं० सर्वे नं० 359/1, 359/2 तथा 360, तथा प्लाट नं० 100, 101 तथा 102 हैं, जो नरोडा इंडस्ट्रीयल टाउन-शिप, नरोडा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रान्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स—उदय इन्डस्ट्रीज, लाट नं० 100/1/2, नरोडा इंडस्ट्रीयल टाउनशिप, नरोडा, की ओर से उसके भागीदार:—(1) श्री गिरधरलाल अम्बालाल पटेल, लक्ष्मी नारायण सोसायटी, अहमदाबाद (2) श्री भीबा भाई अम्बालाल पटेल, रांधोजा गाम, जिला गांधीनगर। (3) श्री पोपट लाल गिरधर लाल पटेल, लक्ष्मी नारायण सोसायटी, अहमदाबाद 4. श्री इश्वरलाल गिरधरलाल पटेल, लक्ष्मी नारायण सोसायटी, अहमदाबाद। 5. श्री रमभाई शामलभाई पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर। 6. श्री कचराभाई शामलभाई पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर, 7. श्री चिमनलाल मगनलाल

पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर 8. श्री नाथलाल मोहन लाल पटेल, रांधोजा जिला गांधीनगर। 9. श्री अमरीतलाल गिरधरभाई, पटेल, रांधोजा जिला गांधीनगर 10. श्री गिरधरभाई आत्माराम पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर 11. श्री रमभाई गोविंदभाई पटेल, बावला जिला अहमदाबाद 12. श्री दंसमुखभाई गोपालदास पटेल, बावला, जिला अहमदाबाद 13. श्री ईश्वरभाई गोरखनभाई पटेल, बावला जिला अहमदाबाद 14. श्री भूपेन्द्र कुमार बलदेवभाई पटेल, बावला जिला अहमदाबाद 15. श्री भोगीलाल शिवलाल पटेल, बावला जिला अहमदाबाद 16. श्रीमती कान्ताबेन गिरधरलाल पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर 17. श्रीमती लीलाबेन गिरधरलाल पटेल, रांधोजा, जिला गांधीनगर 18. श्री गोपालदास शिवलाल पटेल, बावला जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) रिलायंस टेक्सटाईल इंडस्ट्रीज प्रा० लि० कोरट हाउस, चौथी मंजिल, तिलक रोड, धोबी-तलाव, बम्बई 400-002

(अन्तरिती)

(3) गुजरात इंडस्ट्रीयल ड्वेलपमेंट कोर्पोरेशन अहमदाबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे म अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह तमाम लीज होलड जमीन का टुकड़ा जो नरोडा इंडस्ट्रीयल टाउनशिप, नरोडा अहमदाबाद में स्थित है और जिसका रिवेम्यु सर्वे नं० 359/1, 359/2 तथा 360 ए, तथा प्लाट नं० 100, 101, 102 है और जो नरोडा गांव की सीमा में पड़ता है और जिसका कुल क्षेत्रफल 8889 वर्ग गज (7432 वर्ग मी०) है और बांध काम सहित है।

जे० कश्युरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई
बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/303/12/75-76—अतः मुझे जे० एम०
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० ल्टाटन० 9 एस० नं० 142 हि० नं० (प) है, जो नाहर (मुलुंड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशोर भाई पटेल एण्ड अद्दर्स

(अन्तरक)

(2) श्री झी० ओ० माईकल

(अन्तरिती)

(3) दुलासी को० आ० हाउसिंग सो० लि० दुला

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में नाहर (मुलुंड) में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जो कि माप में 1243 वर्गजग्य अथवा 10390309 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है जिसकी प्लाट सं० 9 है और सर्वेक्षण सं० 125 हिस्सा न० 1 (प्रश्न) का भाग है और सर्वेक्षण सं० 142 है, तथा सी० टी० सर्वेक्षण सं० 669 है और जो कि इस प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर में अथवा उत्तरकी ओर उपविभाजित प्लाट सं० 13 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 8 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 10 है पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख 27-11-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/304/13/75-76—अतः मुझे, जे०
एम० मेहरा

श्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 8 एस० नं० 125 हि० नं० 1 (अंश) एस० नं० 142 हि० नं० 1 (अंश) है, जो नाहुर (मुलुंड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्ता:—

(1) श्री किशोरभाई पटेल एण्ड अर्दस

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० ओ० माईकल

(अन्तरिती)

(3) धर्म विजय को० आ० हाउसिंग सो० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में नाहुर (मुलुंड) में स्थित एवं अवस्थित भूमि अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जो कि माप में 1108 वर्गगज अर्थात् 926 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, उसकी प्लाट सं० 8 है और सर्वेक्षण सं० 125 हिस्सा सं० 1 (अंश) का भाग है और जिसकी सी० टी० 669 है सर्वेक्षण सं० 669 है और जो इस प्रकार से चिरा हुआ है।

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 130 है,

दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 8 है,

पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 10 है,

तथा पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई

तारीख : 27-11-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/305/75-76—14—प्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 14 सं० नं० 125 हि० नं० । (अंश) सं० नं० 142 हि०नं० । (अंश) है जो नाहर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कारण नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:-

(1) श्री किशोर भाई पटेल एण्ड अर्दस (अन्तरक)

(2) श्री गृही० घो० माईकल (अन्तरिती)

(3) दिल्ली दुर्ग को० आ० हाऊसिंग सो० लि०
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले में रजिस्ट्रेशन और उपजिले में नाहर (मुलूंड) में स्थित भूमि अथवा यैवान का वह तमाम भाग जो कि माप में 1078 वर्गमीटर अर्थात् 901 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है, उसकी प्लाट सं० 14 है और सर्वेक्षण सं० 125, हिस्सा नं० 1 (अंश) का भाग है : तथा सर्वेक्षण सं० 142 हिस्सा सं० 1 (अंश), सी० टी० सर्वेक्षण सं० 669 है और जो इस प्रकार चिरा हुआ है कि

उसर में अथवा उसर की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 13 है,

दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 8 है,

पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उपविभाजित प्लाट सं० 10 है,

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है।

जे० एम० मेहरा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 27-11-1975

नोटः

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/323/32/74-75—प्रतः मुक्त, जे० एम०

मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 19-57, 61 हि० नं० 2, 18, 3 और 21(अंश) हैं, जो मोहिली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से बनित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) पेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वथ्री (1) धरम पाल मेहरा, (2) श्री वेद प्रकाश मेहरा (3) श्री देवप्रकाश मेहरा (अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती कैलाशवती डी० मेहरा (2) श्रीमती कमलावती डी० मेहरा (3) श्रीमती पुष्पावती डी० मेहरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर जिले में रजिस्ट्रेशन उपजिले बान्द्रा के ग्राम मोहिली में स्थित एवं अवस्थित तमाम भूमि का वह तमाम भाग अथवा खंड और उस पर बनी गृहवाटिकाएं और ग्रावासिएं मकानों सहित जो कि माप में 4777 वर्गगज (प्रथात् 3994.18 वर्गमीटर) अथवा उसके समकक्ष और उक्त भूमि जो कि माप में 4390 वर्गगज (प्रथात् 3646.77 वर्गमीटर) है, को शामिल करके जो कि ता० 12 जून, 1960 के उक्त पट्टे (लीजड) में समाविष्ट हैं और जिन पर निम्नलिखित सर्वेक्षण सं० और हिस्सा सं० अंकित हैं:—

सर्वेक्षण संख्या

19	हिस्सा संख्या
52	2 (अंश)
61	18 (अंश) 21 (अंश)
	3 (अंश)

सी० टी० सर्वेक्षण सं० 687/1 से 687/6 तक और सी० टी० सर्वेक्षण शीट सं० 20 और 27 का 684 है और इस प्रकार से घिरा हुआ है:—

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर नाला है,

पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर रास्ता (पेसेज) है,

उत्तर में उत्तर की ओर प्रोपटी है जिसका सर्वेक्षण सं० 19, हिस्सा सं० 4 है, दक्षिण में दक्षिण की ओर रास्ता है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 27-11-75

मोहर :

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, विनांक 1 दिसम्बर 1975

निवेश सं० ग्राही० 3/717/अप्रैल 75—अतः मुझे, आर० जी०
नेहरूकर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 8 सं० 51 हि० सं० 2 (अंश) सर्वे सं० 52 हि० सं० 1 (अंश) है, जो पहाड़ी ग्रामें विश्वास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मेसर्स यंग एप्टरप्राइसेस प्रा० लि०, किलीयाचन्द्र देवचंद्र बिल्डिंग, अब्दुर रहमान स्ट्रीट, बम्बई 400003 (अन्तरक)
(2) 1. गुलामहुसेन मुल्ला अब्दुल हुसेन लिलीआवाला
2. श्रीमती शिरीनबाई गुलामहुसेन लिलीआवाला 3. युसुफ गुलाम हुसेन लिलीआवाला 4. हफीज गुलाम हुसेन लिलीआवाला

रेहानबाद, बूसरी मंजिल, स्पेन्स रोड, भायबलाक्कीज, बम्बई 400008 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहस्पत बम्बई में बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले के बान्द्रा उप-जिले में गोरेंगांव में पहाड़ी ग्राम जो कि घोड़बवर रोड, अर्थात् जिसे अब स्वामी विथेकान्द रोड कहते हैं पर स्थित बहुत तमाम जमीन का भाग अथवा खड़ जो कि पिछले टाईटल डिड के मुताबिक माप में 3797 वर्गमीटर (अर्थात् 3174.78 वर्गमीटर) अथवा उसके समकक्ष है लेकिन सास्तव में माप में वह 3943.24 वर्गमीटर (अर्थात् 3297.07 वर्गमीटर) है अथवा उसके समकक्ष है और जिसका उद्योगनगर एस्टेट की प्लाट सं० 8 है तथा सर्वेक्षण सं० 51, हिस्सा सं० 2 (अंश) और सर्वेक्षण सं० 52 हिस्सा सं० 1 (अंश) है और जो इस प्रकार से चिरा दृश्या है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उद्योगनगर एस्टेट का आंशिक रूप से प्लाट सं० 7 है तथा आंशिक रूप से प्राप्ती है जो कि अब या इससे पूर्व जनादेन शामराव रावते और अन्य की है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 60 फुट ऊँड़ी भीतरी कामनरोड है और उद्योग नगर एस्टेट का प्लाट सं० 14 है तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उद्योगनगर एस्टेट का प्लाट सं० 9 है तथा दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्राप्ती है जो कि अब और इससे पूर्व जनादेन शामराव रावते तथा अन्य लोगों की है और प्लाट सं० 8 का निर्धारण बार्ड सं० पी० 584-तथा पी० 5842 (2) और पी० 581 (2ए) तथा स्ट्रीट नं० 8ए और 1 ए के अधीन किया गया है।

आर० जी० नेहरूकर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 1-12-1975

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी०एन०एस०-----

(1) नव्वू लाल और अन्य

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन दृश्यमा

2. उद्धवेष तिह और अन्य

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 17 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 48-वी/प्रजन—प्रत: मुझे, विकासभर नाथ
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 408 इत्यादि है तथा जो ग्राम अगनपुर दरखाड़ा
पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बीसलपुर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
29-5-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या धन-कर प्रधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनाये प्रस्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कामवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेष:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

लघुवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जनक
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका नं० 408, 410, 421 और 420 है
जिसका क्षेत्रफल 9.97 एकड़ है जो कि ग्राम अगनपुर दरखाड़ा
तहसील बीसलपुर जि० पीलीभीत में स्थित है।

विकासभर नाथ
सभ्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज, लखनऊ

प्रत: प्रब, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, ये, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-व
की उक्त-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 17-11-1975

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एम० एस०----

(1) श्री हुकम चंद ब ग्रन्थ

(अन्तरक)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक नवम्बर 75

निर्देश सं० 49-B/Acq अतः मुझे विश्वास्थर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, उह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 11/135 क अन्य है तथा जो ग्राम—रामजीवन
पुर जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
आस्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

(2) श्री वरकत राम

(अन्तरिती)

को मह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के
लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों वर मूल्यना
की तामोल ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताद्वारा किसी
बन्ध व्यक्ति द्वारा, जिसे हस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं
वही वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

कृषि भूमि का आधा भाग, जिसका कुल अद्वापल 4. 26
एकड़ है, तथा इससे में 7/8 आता है जो कि ग्राम रामजीवन पुर,
तहूं गढ़रपुर जि० नैनीताल में स्थित है।

विश्वास नाथ
सहायक प्राप्तिका
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री हुकम चन्द व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेन्द्र तिहाई

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 17 नवम्बर 1975

निवेद स० 64-एम/एक्य०—प्रत: मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-वा के अधीन सशम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 11/135 तथा अन्य है तथा जो ग्राम—राम
जीवनपुर जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रत: प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
निसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि का आधा भाग, जिसका कुल क्षेत्रफल 4,26
एकड़ है, तथा हिस्से में 7/8 आता है जो कि ग्राम—राम जीवनपुर
ताह० गदग्पुर जि० नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती गुरनाम कौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री राजेश प्रसाद रायजादा और अन्य

(अन्तरिती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 17 नवम्बर 1975

निदेश सं० 73-प्रार/प्रजन—प्रतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० 185ए/357 है तथा जो सिविल लाइन्स, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब्लेम 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यालयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नं० 185ए/357 है जो कि सिविल लाइन्स, बरेली में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज, लखनऊ

तारीख : 17-11-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रामकिशोरी गुप्ता

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० 21—एल/अर्जन—अतः मुझे विश्वास्मार नाथ,
शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्रायिकारी को,
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की स० खसरा नं० 2 है तथा जो सआदतगांज, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-5-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी शाय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में कमी करने
वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
वा धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) लकड़मण्डी सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
(अन्तरिति)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट खसरा नं० दो (2) जिसका क्षेत्रफल 50,000 वर्ग
फीट है, जो कि सआदतगांज शहर लखनऊ में स्थित है।

विश्वास्मार नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपशारा (1)
जारी, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्रूप आई ८० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 22 नवम्बर 1975

(1) श्री नवकुण्ठ कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री गम्भूनाथ अग्रवाल सराफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निदेश सं० 92-एस/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मोहल्ला डकीन गंज, मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

4-376GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो मोहल्ला डकीन गंज, शहर मिर्जापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 19—डी/ए/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 184 आदि है तथा जो ग्राम नूरपुर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत, में रजिस्ट्री-
करण अंतिमिति, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
21-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री हृषीकेश अहमद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिलीप कौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अध्रोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित हृषि भूमि—

खसरा नं०	रक्का
184	1-69
194	1-15
199	3-87

कुल 6-71 का 1/3 भाग स्थित
ग्राम नूरपुर परगना जहानाबाद, जिला पीलीभीत।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-11-1975
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 19-डी/अर्जन—यतः मुझे, विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 184 आदि है तथा जो ग्राम नूरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पीलीभीत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-5-1975

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर्वीब अहमद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिलीप कौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित कृषि भूमि—

खसरा नं०	रकमा
184	1. 69 एकड़
194	1. 15 एकड़
199	3. 87 एकड़

कुल 6. 71 एकड़ का 2/3 भाग स्थित ग्राम नूरपुर परगना जहानाबाद, जि० पीलीभीत।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-11-75
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 118/अक्षयजीशन/देहरादून/75-76/2075--

यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कर्नल पुन्य नारा सिंह राना पुन्य कर्नल टी० एन० राना, 14-ए म्युनिसिपल रोड देहरादून द्वारा मुख्तारशाम और पुन्य श्री बसन्त नर्सिंहा राना, निवासी 14-ए म्युनिसिपल रोड, देहरादून । (अन्तरक)

(2) श्री आई० सी० बदवार, पुन्य श्री किरपा राम बदवार, पूर्व-उत्तर रेलवे में चीफ आपरेशन आफिसर, निवासी 16-ए रेलवे कालोनी, गोरखपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कोठी नं० 14-ए का श्राद्धा भाग जिसका केन्द्र फल 2 बीघा भूमि के लगभग जो म्युनिसिपल रोड देहरादून में स्थित है और जो कि 45,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-12-1975
मोहर :

प्रस्तुप्राई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 123/प्रक्षूजीशन/देहरादून/75-76/2076—
यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, तारीख 22-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम द्वारा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

(1) श्री कर्नल पुन्य नारा सिंहां राना पुत्र कर्नल टी० एन० राना, निवासी 14-ए म्युनिसिपल रोड देहरादून द्वारा मुख्तारशाम और पुत्र श्री बसन्त नरसिंहा राना, निवासी 14-ए म्युनिसिपल रोड, देहरादून

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकबाल के० बहादुर पत्नी श्री के० जी० बहादुर, निवासी 16-ए रेलवे कालौनी, गोरखपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कोठी नं० 14-ए का हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 2 बीघा भूमि है और जो म्युनिसिपल रोड, देहरादून में स्थित है और जिसका हस्तान्तरण 45,000/- रु० मूल्य में किया गया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-12-75

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 162/अक्यूजीशन/मथुरा/75-76/2077—
यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीराम पुत्र श्री होरी लाल, निवासी शाहगंज दरवाजा, मथुरा

(अन्तरक)

(2) 1. नानक चन्द्र 2. सतीश चन्द्र 3. सुरेश चन्द्र पुत्रगण श्री शिवचरन लाल, हनुमान टीला, मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान दो मंजिला नम्बर 1321/1 जो शाहगंज दरवाजा, मथुरा में स्थित है और जिसका हस्तान्तरण 37,000/- रु. मूल्य में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-12-1975

मोदूर :

प्रलृप आई० ई० एन० एस०————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 190/अक्यूजीशन/मेरठ/75-76/2101— यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुरश्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30-4-1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के
लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कपी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री अर्जीत सिंह बंसल एडवोकेट पुत्र स्व० रणधीर
सिंह बंसल, साकिन बैस्टर्न कर्चैहरी रोड, शहर मेरठ
(अन्तरक)(2) 1. श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयल 2. नरेन्द्र प्रसाद गोयल
3. बीरेन्द्र प्रसाद गोयल 4. महेन्द्र प्रसाद गोयल
पिसरान लाला पिंडन लाल, साकिनान 43-ए,
सकेत, शहर मेरठ ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति कोठी न० 43-ए का १ भाग जो सकेत,
शहर मेरठ में स्थित है, 31,250/- रु० मूल्य में हस्तांतरित की
गई है।एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारीसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-12-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, विनांक 3 विसम्बर 1975

निर्देश सं० 191/प्रकूजीशन/मेरठ/75-76/2102— यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धर्मवती बन्सल बेदा स्व० श्री राणधीर सिंह
बन्सल, साकिन बैस्टर्न कच्चहरी रोड, शहर मेरठ
(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयल 2. नरेन्द्र प्रसाद गोयल
3. वीरेन्द्र प्रसाद गोयल 4. महेन्द्र प्रसाद गोयल
पिसरान लाला शिब्बन लाल, साकिनान 43-ए, सकेत,
शहर मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कोठी नं० 43-ए का 1/4 भाग जो सकेत,
शहर मेरठ में स्थित है, 31,250/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 191-ए/प्रक्षयूजीशन/मेरठ/75-76/2103—
यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के वार्षिक, मेरठ में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती धर्मवती बन्सल बेवा स्व० श्री रणधीर सिंह
बन्सल, साकिन वैस्टर्न कचैहरी रोड, शहर मेरठ
(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयल 2. नरेन्द्र प्रसाद गोयल
3. बीरेन्द्र प्रसाद गोयल 4. महेन्द्र प्रसाद गोयल,
पिसरान लाला शिव्वन लाल, साकिनान 43-ए,
सकेत, शहर मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य आकिन द्वारा, अधोहस्ताधरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कोठी नं० 43-ए का 1/4 भाग जो सकेत, शहर
मेरठ में स्थित है, 31,250/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई
है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 3-12-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

नदेश सं० 192-ए/अक्षयूजीशन/मेरठ/75-76/2104/—यतः,
मुझ, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त
अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आविहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह बंसल एडवोकेट पुत्र स्व० श्री रणधीर
सिंह बंसल, साकिन वैस्टर्न कम्हैररी रोड, शहर मेरठ
(अन्तरक)

(2) 1. राजेन्द्र प्रसाद गोयल 2. नरेन्द्र प्रसाद गोयल 3.
बीरेन्द्र प्रसाद गोयल 4. महेन्द्र प्रसाद गोयल
पिसरान लाला शिव्वन लाला, साकिनान 43-ए०,
सकेत शहर मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्विरांची व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

हृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति कोठी नं० 43-ए का 1/4 भाग जो सकेत,
शहर मेरठ में स्थित है, 31,250/- रु० मूल्य में हस्तांतरित की
गई है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-12-1975
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 184/75-76—यतः, मुझे, के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० बी०-3-एफ०-4, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग अली लेन में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मावत उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एसोसिएटेड बिल्डर्स के भागीदार श्रीमती पुश्पलता द्वारा स्वयं तथा अन्य स० न० 2 से 11, 4-1-968, एविड रोड, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री टी० पी० जे० स्वामी, बी०-3, एफ०-4, दूसरा मजला, पूनम अपार्टमेंट, श्रावीद रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) श्री जे० के० मनसुखानी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नगर सं० 5-8-512, ता 517-सी, जिसमें फ्लैट नं० बी०-3, एफ०-4, दूसरा मजला पर जिसका क्षेत्रफल 1085 वर्ग फीट है जो चिराग अली लेन, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज: हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 185/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-1-2, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग ग्रली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्र० 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एसोसिएटेड विल्डर्स और श्रीमती पुश्पलता भागीदार द्वारा स्वयं और अन्य भागीदार सं० नं० 2 से 11 तक, 4-1-968, आविद रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)(2) 1. डॉक्टर एस० एन० जैन
2. श्रीमती सुधा जैन
ए-1-एफ-1, पूनम अपार्टमेंट, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नगर सं० 5-8-512 ता 517-सी, जिसमें फ्लैट नं० ए-1-2, पहला मजला, पूनम अपार्टमेंट, चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 186/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए-1, एफ-1, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग अली
लेन में स्थित है (और इससे उत्तरावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एसोसिएटेड विल्डर्स के भागीदार श्रीमती पुष्पलता
स्वयं और अन्य क्र० सं० 2 से 11 तक, 4-1-968,
श्रावीद रोड, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सुनन्दा देवी, 1-2-45, गगनमहल,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पाद्वां और पद्वां का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नगर सं० 5-8-512 ता 517-सी, जिसमें फ्लैट
क्र० सं० ए-1, एफ-1, पूनम अपार्टमेंट, चिराग अली लेन, हैदराबाद
में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 187/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० बैंकट रामन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ-6, बी-4, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग अली लेन में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एसोसिएटेड बिल्डर्स के भागीदार श्रीमती पुष्पलता स्वरं और अन्य श्र० 2 से 11 तक, 4-1-968, चिराग अली लेन, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) डॉक्टर जितेन्द्र प्रसाद और चिनोद कुमार, 3-6-601, हिमायतनगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नगर सं० 5-8-512 ता 517-सी, जिसमें फ्लैट सं० बी-4, एफ-6, पूनम अपार्टमेंट, चिराग अली लेन, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-75

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्वेश सं० आर० ए० सी० 188/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-5, बी-2, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग
ग्रली लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुर्ड किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एसोसिएटेड बिल्डर्स के भागीदार श्रीमती पुश्पलता
स्वर्यं और अन्य सं० 2 से 11 तक, 4-1-968,
पूनम अपार्टमेंट, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) 1: श्री सुरेन्द्र प्रसाद
2: श्री ओमकर प्रसाद
3-6-601, हिमायतनगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नगर सं० 5-8-512 ता 517-सी, जिसमें फलैट
सं० बी-2, एफ-4, पूनम अपार्टमेंट, चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद
में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 189/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिस की सं० जमीन सर्वे नं० 35 है, जो सोमाजीगूडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वी कमलम्मा नायडू पत्नी कृष्णम्मा नायडू मुखतार नामादार टी० वाय० नायडू, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आटो इंजिनियरिंग कम्पनी, 5-3-335, आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षिती के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 6-3-661 का भाग जो सर्वे नं० 35, सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 190/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10-4-35/1 मासबट्टांक है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल 1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—376GI/75

(1) श्री नियामत् अली खान 10-4-31/1 मासबट्टांक,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सम्यद मोहम्मद, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट, एसिस्टेंट,
गुलबर्गा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पूरब भाग का नगर सं० 10-4-31/1, मासबट्टांक, हैदरा-
बाद, थोकफल 594 वर्ग गज ।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 191/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10-4-35/1 मासबट्टांक है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नियामत अलीखान, 10-4-35/1, मासबट्टांक, हैदराबाद।
(अन्तरक)
(2) जमील उन्निसा मार्फत सम्बद्ध मोहम्मद, डिम्बुक्ट डेवलपमेंट असिस्टेंट गुलबर्गा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पश्चिम भाग का नं० 10-4-35/1, क्षेत्रफल 505 वर्ग गज मासबट्टांक, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975
मोहर :

प्रख्यात—आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 192/75 -76—यतः मुझे कें० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-३, एफ-६, पूनम अपार्टमेंट है, जो चिराग अली लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबहु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एसोसिएटेड बिल्डर्स के भागस्थ पृष्ठालता और उस कर्म के अन्य भागस्थ जो 4-1-498 आविद रोड पर स्थित है।

(अन्तरक)

(2) शिवाजी राव अतलूरी 1-10-123/1 मराठोक नगर हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 5-8-512 से 517 सी०, जिसमें बी-३, एफ-६, पूनम अपार्टमेंट चिराग अली लेन हैदराबाद में स्थित है।

कें० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 193/75-76—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० बी०-3 एफ०-5, पूनम अपार्टमेंट, चिराग अली लेन हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) एसोसिएटेड विल्डर्स अतः रियल एस्टट एजेन्ट के भागस्थ पुर्णालता फर्म के गुप्ता और 4-1-968, अबिद रोड, हैदराबाद अन्य भागस्थ उपर दिये द्वाएँ फर्म (अन्तरक) (2) श्रीमती अतलूरी लक्ष्मी, 1-10-123/1, अशोक नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

म्युनिसिपल नं० 5-8-512 से 517 सी में प्लाट नं० बी०-3 एफ०-5, पूनम अपार्टमेंट, चिराग अली लेन हैदराबाद।

के० एस० बैंकट रामन
सक्रम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975
मोहर :

प्रूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5-12-1975

सं० भा० ए० सी० 194/75-76—यस: मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं० 1-8-522/27 चिकिङ्ग पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अन्तर्गत 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और / या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) भोहमद अब्दुल गफार, 4-1-520, तुरूप बाजार हैदराबाद

(2) एम भोहन राव, 1-8-522/27, चिकिङ्गली, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार और भोहन कुमार अवृत्तक श्री गण राव पालक द्वारा गगनमहल, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखितरी के पास लेखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गिरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1-8-522/27, का भाग जो तल मंजले पर है क्षेत्रफल 568.25 वर्ग गज है जो चिकिङ्ग पल्ली हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5-12-1975

सं० आर० ए० सी० 195/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 1-8-522/27 चिकड़ पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रोएं इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोहम्मद अब्दुल गफार 4-1-520, तुरूप बाजार, हैदराबाद

(2) एम मोहन राष्ट्र, 1-8-522/27, चिकड़पल्ली, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मोहन कुमार और महेन्द्र कुमार अवस्थक गंगाराम पालक द्वारा 1-8-522/27 चिकड़ पल्ली, हैदराबाद

(अन्तरित)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लेष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1-8-522/27, पहला मंजला, चिकड़ पल्ली हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

(1) डी० अनजया और पांच अन्य 6-3-111 प्रेम नगर
हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री डी० बीकापती 6-2-935/2 खैरताबाद,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 5/12/1975

सं० आर० ए० सी० 796/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंटर रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिस की सं० 6-2-635/2 है, जो खैरताबाद में स्थित है
और हमसे उपायद्रु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।के० एस० वेंटर रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबादअतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 5-12-75

मोहर :

प्रस्तुति अर्थात् एन.एस.०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं. प्रार. ए. सी. १९७/७५-७६—यतः मुझे के० एस०
वेक्टर राग्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 6-2-935/2 खैरताबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से: उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० अंजया और पांच अन्य 6-3-111 व्रेम नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सावित्री पत्नी डी० बिक्षापती 6-2-935/2, खैरताबाद हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 6-2-935/2 तल मंजिल जो खैरताबाद हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं. आर० ए० सी० 198/75-78—यतः मुझे के० एस०
बैंकद रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 6-2-935/2 खं रताबाद (सामने का भाग) है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खं रताबाद हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तररितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उसके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (१) के अन्तर्गत विविध विभिन्न विधायिकाओं

(1) क अध्या

(1) श्री डी० शर्मा, 6-3-111 प्रेम नगर हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री डी० सत्यानारायण, 6-2-935/2 खैरताबाद
हैदराबाद (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतस्तो

मकान नं० 6-2-935/3 (सामने का भाग) जो खैरताबाद
हैंदराबाद में स्थित है।

के० ए० स० वेंकटरामन
सक्षम प्रधिकारी

सारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 5-12-1975

सं० आर० ए० सी० 199/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11-6-663 रेड हिल्स है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेतराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

(1) श्री मोहम्मद एकबाल 11-6-863, रेड हिल्स हैदराबाद (अन्तरक)

(2) अब्दुल खदीर अतह अब्दुल वहीद निर्मल अदिलाबाद जिला आन्ध्र प्रदेश (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजेन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 11-6-863 जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है का दर्शिण भाग

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 5-12-1975

सं० आर० ए० सी० 200/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेक्टर रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 11-6-863 रेड हिल्स है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ह्रृदि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रन्त : ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद इखबाल, 11-6-863, रेड हिल्स हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) अब्दुल खदीर और अब्दुल वहीद, निर्मल आदिलाबाद आंध्रप्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ही सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वात में किए जा सकेंगे।

पृष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 11-6-863 का उत्तर भाग, रेड हिल्स हैदराबाद

के० एस० वेक्टररामन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 201/75-76—यतः मुझे के० एस०
बैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० राम बाग चिरागली है, जो हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम निवास लाहीटी दाएस शिफा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) रमेशचन्द्र माल पानी और अयोध्या भाई 1-2-45 दामल गुडा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राम बाग चिरागली में 689 वर्ग गज जमीन है जो हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैकटरामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

गोटुर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 5/12/1975

मं० आर० ए० सी० 202/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की मं० ए०, एफ०, पूनम अपार्टमेंट चिराग अलि लेन हैदराबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पुष्पालता गुप्ता, असोसिएटेड विल्डर्स अतह रियल एस्टेट एजेन्ट भगवत् अतह अन्य भागीदार मं० नं० 2त 11 तले, 4-1-968 अविद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती वाला टंडन, लिखुरी मिगवत जिला बिहार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नगर नं० 5-8-512 ता 517-6 जिसमें एलाट मं० ए१, एफ०, पहला मंजिला, पूनम अपार्टमेंट चिराग अलि लेन, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-12-1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 201/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 14/493 चिन्हा बाजार है, जो नेल्लूर में स्थित
है (और इससे उत्तरांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अर्पण 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्दित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारोंके
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नामकारी कृष्णया, टी० रेणु के सपुत्र मुलायेट
नेल्लूर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरुदेवी हेमसावेनमा सांतापेट नेल्लूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

14/493 चिन्हा बाजार नेल्लूर।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री मनोद्र कुमार दाश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेसर्स किंजोर मोहन पाल और कृष्ण मोहन पाल

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 27 नवम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० एसी-229/आर-IV /कलकत्ता/75-76—अतः:

मुझे ए० के० वख्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 31/1 है तथा जो ड० धीरेन्द्र सेन सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही मर्यादा होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

31/1 डॉ: धीरेन्द्र सेन सरनी स्थित जमीन और मकान

ए० के० वख्याल

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख 27-11-1975

मोहर :

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तु आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निवेदा सं० ए० भी० 36/र०II/कलकत्ता/75-76—अतः,
मुझे, आर० भी० लालमोआ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 23ए/171 ए है तथा जो डायमंड हारबर रोड स्थित है (और इससे उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, 24 परगना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् :—

(1) मूलचंद गुप्ता 20 महर्षी देवेन्द्र रोड, कलकत्ता-7
(अन्तरक)

(2) (1) श्रनिवास गुप्ता (2) राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता
20, महर्षी देवेन्द्र रोड, कलकत्ता-6 तथा (3) श्रीमती
गीता देवी गुप्ता 3, मित्रा लेन कलकत्ता-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 4 क० तथा 2 छ० है। हिन्तुस्तान कोआप-रेटिंग इन्सुरेंशन लि० के प्लाट सं० 171, ब्लॉक सं०- 'जी' में स्थित है। न्यु अलीपुर इंवेलपमेंट स्कीम सं०— XV , प्रागण सं०-23ए/171ए, डायमंड हारबर रोड, थाना अलिपुर जिला 24-परगना

आर० भी० लालमोआ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख 4-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 5-12-1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/300—यतः मझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 13, 14, 15, 16, 17 एवं 40 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्री कन्हैयालाल तिवाड़ी निवासी तिवाड़ी जी० की० हवेली, नाहरगढ़ रोड, जयपुर
निवासी घोसियों का रास्ता, घाट गेट, जयपुर
अन्तरक (अन्तरक)

(1) श्री कन्हैयालाल तिवाड़ी निवासी तिवाड़ी जी० की० हवेली, नाहरगढ़ रोड, जयपुर

(2) श्रीमती कृष्ण कान्ता पाण्डे पत्नी श्री फूलचन्द पाण्डे निवासी घोसियों का रास्ता, घाट गेट, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृमरलाल स्वरूपलाल की बगीची नामक सम्पत्ति में से ब्लाक नं० 13, 14, 15, 17 एवं 40 जो विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर के कार्यालय में पंजिबद्ध दस्तावेज सं० 1533 दिनांक 24 मई, 1975 में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 5-12-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 5-12-1975

निदश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/301—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे
उपावद शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण गे हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कन्हैया लाल तिवाड़ी निवासी तिवाड़ीजी के
हवेली, नाहरगढ़ रोड़, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चतरू देवी पत्नी श्री गणपतलाल डांगी,
निवासी झूमरलाल जी की बगीची, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्र-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

झूमरलाल स्वरूपलाल की बगीची स्टेशन रोड़, पोलोविक्टि
सिनेमा, जयपुर नामक सम्पत्ति में से ब्लाक नं० 11 जो
विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर के कार्यालय में पंजिबद्ध
दस्तावेज सं० 1789 दिनांक 3 जून, 1975 में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 5-12-1975

मोहर ;

प्रलैप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 5-12-1975

निर्देश सं० राज० सहा० आय० अर्जन/302—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 मई, 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के इयायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कन्हैयालाल तिवाड़ी निवासी तिवाड़ी जी की हवेली नाहरगढ़ रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री पृथ्वीराज पारीक पुत्र श्रीनारायणजी पारीक निवासी बस्सी सीतारामगुरा जयपुर (2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री हंसराज पारीक एडवोकेट, चान्दपोल बाजार, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कूमरलाल स्वरूपलाल की बरीची, स्टेशन रोड, पोलोविन्कटी सिनेमा, जयपुर, नामक सम्पत्ति में से ब्लाक नं 11 ए, जो विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर के कार्यालय में पंजिबद्ध दस्तावेज संख्या 1493 दिनांक 17-5-75 में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर;

तारीख : 5-12-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 5-12-1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/303—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कहेयालाल तिवाड़ी, निवासी तिवाड़ी जी की हवेली, नाहरगढ़ रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र शर्मा पुल श्री रामचन्द्र शर्मा निवासी स्टेशन रोड, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूमरलाल स्वरूपलाल की बगीची, स्टेशन रोड, पोलोविक्ट्री सिनेमा, जयपुर, नामक सम्पत्ति में से ब्लाक नं० 7, जो विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर के कार्यालय में पंजियक दस्तावेज संख्या 1492 दिनांक 19-5-75 में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 5-12-1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/—यतः मुझ, सी०
एस० जैन,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं० 1 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती रानी महेन्द्रा कुमारी विधवा स्वर्गीय महाराजा श्री हरीसिंह जी जोधपुर, निवासी राईकाबाग पैलेस, जोधपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लगनी देवी कोठारी पत्नी बहादुर सिंह (2) श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री उमेद सिंह (3) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री बलराज (4) श्रीमती मृगादेवी पत्नी श्री प्रकाशचन्द, निवासी सरदारपुरा, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'आईस फैक्ट्री बिल्डिंग', सोजती गेट के बाहर, जोधपुर नामक सम्पत्ति का खण्ड 1, जो विद्युत रूप से उप पंजियक जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध दस्तावेज संख्या 952 दिनांक 24-5-1975 में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज जयपुर

तारीख: 5-12-75

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 17 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3979/75-76—यतः मुझे
आर० क्रिष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० 16/1 है, जो उड स्ट्रीट, अशोकनगर बैंगलूर-1
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 10-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० सी० देसिकाचारी नं० 90, मौब्रेस रोड,
मद्रास-18
(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० गुहलिनगम 46-बी, खेराताबाद,
सिकन्दराबाद द्वारा मुख्तारनामी एम० हेच० नारयाण
(अन्तरिती)

(3) भागीदार प्रकाश सिल्क हौज 369, चिक्केट, बैंगलूर
(वह व्यक्ति जिसके अधिभीक में संपत्ति है)

(4) श्रीमती शिवामनी, 16/1 उड स्ट्रीट अशोकनगर,
बैंगलूर-1
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 16/1, उडस स्ट्रीट, अशोकनगर बैंगलूर-1

क्षेत्रफल : 16.51 वर्ग फीट

सीमा :—

पूर्व रिक्त भूमि

परिचम : नं० 16, उडस स्ट्रीट

उत्तर : उडस स्ट्रीट

दक्षिण : रिचमन्ड रोड

दस्तावेज़ नं० 165/75-76 ता० 10-4-75

आर० क्रिष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 17-11-75

मोहर :

प्ररूप ० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 25 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3985/75-76—यतः मुझे
आर० क्रिण्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 100 और 102 है, जो डोड्हतोगूर,
गांव, बैंगलूर होम्ली, बैंगलूर सौत तालुक में स्थित हैं (और इससे
उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत तालुक में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज
नं० 92/75-76 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय के बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) बी० एल० रामस्वामी (2) बी० आर०
वासुदेव (3) बी० आर० सम्पत्त कुमार (4) बी०
आर० वेनुगोपाल (5) बी० सुनील, 61, III ब्लाक,
जयनगर, बैंगलूर-11

(अन्तरक)

(2) श्री कें० दोरेस्वामी राजू सपुत्र मुनिस्वामी राजू 761,
33 ए श्रास, IV ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

जमीन सर्वे नं० 100 और 102 (4 एकड़ 32 गुनटे और
6 एकड़ 3 गुनटे), डोड्हतोगूर, गांव, बैंगलूर होम्ली, बैंगलूर सौत
तालुक।

सीमा : सर्वे नं० 100 सर्वे नं० 102

पूर्व : सर्वे नं० 156/2 सर्वे नं० 156/2

पश्चिम : सर्वे नं० 151 सर्वे नं० 102/3

उत्तर : सर्वे 99 सर्वे नं० 100

दक्षिण : सर्वे 102/2 कायमगृते मारगोनडनहल्ली
गांव की सीमा

दस्तावेज नं० 12/75-76 ता० 4-4-75

आर० क्रिण्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 25-11-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3990/75-76—यतः मुझे,
आर० क्रिणमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 20821 है, जो चिन्हपनहल्ली,
क्रिणराजपुरम होल्ली, बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे
उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत तालुक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० एम० कोडनडराम रेडी पुत्र स्व० चिक्कमगुनि-
स्थाम रेडी, चिन्हपनहल्ली, के० आर० पुरम होल्ली, बैंगलूर सौत
(अन्तरिती)

2. श्री हेच० तिप्पा रेडी पुत्र के० एम० हनुमा रेडी चिन्ह-
पनहल्ली, के० आर० पुरम होल्ली बैंगलूर सौत तालुक
(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिण्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 20 (3 एकर) 821 (2 एकर),
चिन्हपनहल्ली, क्रिणराजपुरम होल्ली, बैंगलूर सौत तालुक।
सीमा :—

पूर्व : सरकारी नाला और रास्ता।

पश्चिम : सर्वे नं० 24।

उत्तर : हेच० एम० नारायण रेडी की जमीन।

दक्षिण : अपनी जमीन।

दस्तावेज नं० 248/75-76 ता० 10-4-75

आर० क्रिणमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 21-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4005/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को
वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 8 है, जो गनगोनहत्तली,
एशवन्टपुर होबली, बंगलूर नार्त तालुक में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बंगलूर नार्त तालुक दस्तावेज नं०
126/75-76 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 9-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, छिपाने व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-376GI/75

1. श्री सज्जन आर० राव द्वारा मुख्तारनामी एस० एम०
रामक्रिष्णराव, "लक्ष्मी निवासा" फोर्ट, बंगलूर सिटी (अन्तरक)

2. श्री मुनिवैरप्पा उर्फ अप्पयन्ना पुत्र डोड्गोडा, अतिंगुप्ते
गांव मैसूर रोड, बंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन आर० एस० नं० 8, 4 एकर 34 गुनटे, गनगोन-
उनहत्तली गांव, एशवन्टपुर होबली, बंगलूर नार्त तालुक।

सीमा :—

पूर्व : यही आर० एस० नं० में मुनिवैरप्पा की जमीन।

पश्चिम : यही आर० एस० नं० में अन्तरक की जमीन

उत्तर : रोड

दक्षिण : यही गांव का आर० एस० नं० 10

दस्तावेज नं० 126/75-76 ता० 9-4-75

आर० कृष्णमूर्ति

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 19-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निवेश सं० सि० आर० 62/4006/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० आर० एस० नं० 8 है, जो गनगोनडनहल्ली गांव,
एशवन्तपुर होबली, बंगलूर नार्त तालुक में स्थित है (और इससे
उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बंगलूर नार्त तालुक दस्तावेज नं०
127/75-76 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 9-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँजे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सज्जन आर० राव द्वारा मुख्तारनामी एस० एम०
रामकिण्णराव, लक्ष्मीनिवास फोर्ट, बैंगलूर रिटी (अन्तरक)

2. श्री मुनिबैरप्पा उर्फ पापशा सुपूत्र मुनियप्पा उर्फ अप्पयशा
अतिगुप्त गांव, मैसूर रोड, बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 8, 5 एकर, गनगोनडनहल्ली
गांव, एशवन्तपुर होबली, बंगलूर नार्त तालुक ।

सीमा :

पूर्व : मुनियप्पा उर्फ अप्पयशा की जमीन

पश्चिम : अन्तरक की जमीन

दक्षिण : गनगोनडनहल्ली के आर० एस० नं० 8 & 10

उत्तर : रास्ता

दस्तावेज नं० 127/75-76 ता० 9-4-75

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4051/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 169/2 आर० एस० नं० 358 है, तथा
जो केमपापुरा अग्रहारा कसबा होबली, बैंगलूर नार्त में स्थित है
और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1975
दस्तावेज नं० 39/75-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्यातु :—

1. श्रीमती अबकर्यम्मा पत्नी हनुमन्तप्पा भागड़ी रोड़, केम-
पुरा अग्रहारा मारेनहल्ली, बैंगलूर सिटी (अन्तरक)

2. श्रीमती अश्रापूरनम्मा पत्नी टी० एस० जन्दशेखर, नं०
1681, नागप्पा ब्लाक श्रीरामपुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्यों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 39/75-76 ता० 3-4-1975)

जमीन सर्वे नं० 169/2 नया आर० एस० नं० 358, 3 एकर,
35 गुन्टे, केमपापुरा अग्रहारा, कसबा होबली, बैंगलूर नार्त तालुक।
डिक्षीजन नं० 21

सीमा :—

पूर्व : विनया हौस बिलिंडग को-आपरेटिव सोसायटी की जमीन
पश्चिम : सरकारी जमीन और नाला

उत्तर : मल्लश्वा की जमीन।

दक्षिण : एल्लप्पा की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 15-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आर्हा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निकेश सं० सि० आर० 62/4049/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 145 नया नं० 335 है, तथा जो अतिगुप्ता
गांव केम्पापुरा अग्रहारा, कस्बा होबली, बैंगलूर नार्त तालुक में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, बंगलूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 2-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिशत से छुर्द किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुनिवैरप्पा उर्जे अपवाहा
2. मुनिवैरप्पा उर्जे पापनाथ अतिगुप्ता गांव, भैंसूर रोड,
बैंगलूर सिटी (अन्तरक)
2. श्री किण्णप्पा पुष्प गुम्मथा नं० 156, IV मैन रोड,
चामराजपेट, बैंगलूर सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां भुक्त करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 23/75-76 ता० 2-4-75)

जमीन सर्वे नं० 45 नया नं० 335 (डिविजन नं० 21),
एक एकड़ 27 गुनटे, अतिगुप्ता गांव, केम्पापुरा अग्रहारा, कस्बा
होबली, बैंगलूर नार्त तालुक।

सीमा:—

पूर्व: श्रीकृष्णप्पा की जमीन।

पश्चिम: अन्तरक की बच्ची जमीन।

उत्तर: सरकारी रास्ता।

दक्षिण: हनुमनतप्पा की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 21-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 13 नवम्बर 1975

निवेद सं० सि० आर० 62/4062/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 8 (पुराना नं० 5) उत्तरी भाग है, जो हैरिस
रोड, बेनसन टीन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 321/75-76 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 21-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनन्तकुरियन पत्नी स्व० पी० के० कुरियन बी
50, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48 द्वारा मुख्तारनामी के० कुरियन
(अन्तरक)

2. श्री एस० एम० अब्दुल रहीम पुत्र लेट ए० महम्मद
सालेह, 65, बम्बू बाजार, सिविल स्टेशन, बंगलूर (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तरी भाग नं० 5 (नया नं० 8), स्पारिस रोड, बेनसन टीन,
सिविल स्टेशन, बैंगलूर।

क्षेत्रफल: उ० 143', द० 139', पू० 60 1/2', प० 65'

सीमा:—

उत्तर: नं० 7, हैरिस रोड का एक भाग

दक्षिण: सम्पत्ति का दक्षिण भाग जो एस० एम० अब्दुल
करीम को बेचा गया।

पूर्व: पड़ोसी की संपत्ति

पश्चिम: हैरिस रोड

दस्तावेज नं० 321/75-76 ता० 21-4-75

आर० कृष्णमूर्ति

सभीम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 13-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4063/75-76—यतः, मृमे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 5 (नया नं० 8) दक्षिण भाग है, जो स्थारिस
रोड, बेनसन टौन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावच्च अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलय,
शिवाजी नगर बैंगलूर दस्तावेज नं० 322/75-76 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

1. श्रीमती श्रीमती कुरियन पत्नी लेट बी० के० कुरियन 30 ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली-48 द्वारा मुख्तारनामी के० कुरियन (अन्तरक)
2. श्री एस० एस० अब्दुल करीम पुत्र स्व० ए० मुहम्मद सालेह,
65 बम्बू बाजार, सिविल स्टेशन, बैंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5 (नया नं० 8) का दक्षिणी भाग, स्थारिस रोड, बेनसन
टौन, सिविल स्टेशन, बैंगलूर।

क्षेत्रफल: उ० : 139' द० 129' पू० 70 1/2' प० 65'

सीमा:

उत्तर: मकान का उत्तरी भाग जो एस० एम० अब्दुल करीम
को बेचा गया।

दक्षिण: न० 9, स्थारिस रोड

पूर्व: पड़ोसी की संपत्ति

पश्चिम: स्थारिस रोड।

दस्तावेज नं० 322/75-76 दिनांक 21-4-1975

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 10-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप्राप्ति० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4069—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 6 में प्लाट नं० 'जी' है, तथा जो नार्थ रोड, रिंडस टौन बंगलूर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-4-1975

दस्तावेज नं० 403/75-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सी आलवर्क 30, डेविस रोड, बैंगलूर (अन्तरक)
2. श्री के० रत्नगस्वामी पुत्र स्व० एन० केनयप्पा नं० 101, वोल्ज, मद्रास रोड, अलसूर, बैंगलूर (अन्तरिती)
3. श्री एस० जे० मैकेल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित है, वही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 403/75-76 दि० 28-4-75)
नं० 6 में प्लाट नं० 'जी', नार्थ रोड, रिंडस टौन, बैंगलूर।

42' + 40' 78' + 79'
क्षेत्रफल : ————— × ————— = 3218 वर्ग फीट
2 2

सीमा :

उत्तर : प्लाट 'ए' और 'बी' जो अन्तरिती और के० वसन्तकुमार को बेचा गया।

दक्षिण : श्रीमती सुनन्दा को बेचा गया प्लाट 'एफ'

पश्चिम : नं० 7, नार्थ रोड

पूर्व : आम रास्ता।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 21-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4070/75-76—यतः मुझे,
आर० हृष्णमूर्ति
मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 6 में प्लाट नं० 'ई' है, जो नार्त रोड, रिचर्ड्स टैन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 404/75-76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० वालवर्के 30, डेविस रोड, रिचर्ड्स टैन, बंगलूर (अन्तरक)

2. श्री के० रंगस्वामी पुत्र स्व० केनयप्पा 101, बोल्ड मद्रास, रोड अलसूर, बंगलूर (अन्तरिती)

3. श्री एस० जे० मैकेल (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अवित्त, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

नं० 6 में प्लाट नं० 'ई', नार्त रोड, रिचर्ड्स टैन, बंगलूर।
39' 6"+38' 80'+85'
क्षेत्रफल : ——————×————— = 3187 वर्ग फीट
2 2

सीमा :—

उत्तर: बसन्तकुमार का प्लाट नं० 'डी'

दक्षिण: नं० 30, डेविस रोड

पूर्व: नं० 5 नार्त रोड,

पश्चिम: रास्ता

दस्तावेज नं० 404/75-76 ता० 28-4-75

आर० हृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 21-11-1975

मोहरः

प्र० श्रीमती सी० बालबर्क 30, डेविस रोड, बैंगलूर (अन्तर्रक)

2. श्री के० वसन्तकुमार पुत्र स्व० केनथप्पा 101, वोलड
मेड्रास रोड, बैंगलूर (अन्तर्रिती)3. श्री एस० जे० मैकेल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं० 6, प्लाट नं० 'डी', नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन, बैंगलूर।

39' 6" + 38' 87' + 85'
क्षेत्रफल —————— X —————— = 3332 वर्ग फीट
2 2

सीमा :—

उत्तर: प्लाट 'बी' और 'सी' जो नागराज को देता गया।

वक्षिण: श्रीमती सुनन्दा को देता गया प्लाट 'ई'

पूर्व: नं० 5 नार्त रोड

पश्चिम: रास्ता

दस्तावेज नं० 407/75-76 दि० 28-4-1975

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

प्र० श्रीमती सी० बालबर्क 30, डेविस रोड, बैंगलूर (अन्तर्रक)

प्र० श्रीमती सी० बालबर्क 30, डेविस रोड, बैंगलूर (अन्तर्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4071/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट 'डी'—नं० 6 में है, जो नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 407/75-76 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4072/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 6 में प्लाट न० 'सी' है तथा जो नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी-
नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दस्तावेज न० 488/75-76 ता० 28-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सी० वालकर्क नं० 30, डेविस रोड, बैंगलूर
(अन्तरक)
2. श्री वी० नागराज पुत्र वेनकटप्पा नं० 101, बोलड मद्रास
रोड, अलसूर, बैंगलूर (अन्तरिती)
3. श्री एस० जे० मैकेल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 408/75-76 ता० 28-4-75)

नं० 6 में प्लाट 'सी', नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन, बैंगलूर।

32' + 20' 66' + 64'

क्षेत्रफल:— $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = 2015$ वर्ग फीट

2 2

सीमा:—

उत्तर: नं० 6, नार्त रोड का एक भाग।

दक्षिण: के० वसन्तकुमार का प्लाट नं० 'डी'

पूर्व: नं० 5, नार्त रोड

पश्चिम: के० वसन्तकुमार का प्लाट नं० 'बी०'

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 21-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निवेंशं सं० सिं० आर० 62/4073/75-76—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 में प्लाट नं० 'एफ' है तथा जो नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 409/75-76 ता० 28-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती सो० बालवर्क 30, डेविस रोड, रिचर्ड्स टौन, बैंगलूर (अन्तरक)
2. श्रीमती के० सुनन्दा पत्नी वी० ए० राजू 101, बैंगलूर मद्रास रोड, अलमूर, बैंगलूर (अन्तरिती)
3. श्री एस० जे० मैकेल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 409/75-76 दि० 28-4-75]
नं० 6 में प्लाट नं० 'एफ', नार्त रोड, रिचर्ड्स टौन, बैंगलूर
40' + 42' 79' + 79' 6"

क्षेत्रफल :—
2 2 = 3249 वर्ग फीट

सीमा :—

उत्तर : के० रनगस्वामी का प्लाट नं० 'जी'

दक्षिण : नं० 29, डेविस रोड

पूर्व : आम रास्ता

पश्चिम : नं० 7, नार्त रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4074/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 48 है तथा जो सैन्ट थामस टौन, बैंगलूर-5 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दस्तावेज नं० 412/75-76

ता० 28-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से द्वाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ई० एल० स्वामी पुन इम्प्रेसप्पा नायडू बौरिना हास्पिटल
क्वार्टर्स स बैंगलूर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति अम्बमा पिल्लय पत्नी पी० ए पिल्लय

(2) कुमारी सारम्मा चेरियन पुन्नी के० सी० चेरियन 2/1,
II कास, हचिन्स रोड सैंट थामस टौन, बैंगलूर-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 412/75-76 ता० 28-4-75)

प्लाट नं० 48 (डिवीजन नं० 49) सैंट थामस टौन, बैंगलूर-5
क्षेत्रफल : 70'×65'= 4550 वर्ग फीट

सीमा :—

उत्तर : पोस्ट आफिस रोड

दक्षिण : अन्तरक की संपत्ति

पूर्व : प्लाट नं० 49-बी

पश्चिम : सैंट चार्लेस सिसटर्स की संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 24-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4076/75-76—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 841 है तथा जो 100 फीट रोड, मन्डया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्डया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 420/75-76 ता० 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रक (मन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० बसवराजु पुत्र स्व० पी० वीरभ्या तरकारी के व्यापारी मन्डया (अन्तरक)

2. श्रीमती वी० रत्नमा पत्नी जी० जन्मद्या पुत्री शिव-लिनगद्या नं० 841, 100 फीट रोड, मन्डया (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिवृहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 420/75-76 दि० 25-4-1975)
मकान नं 841 (असेसमेंट नं० 1602/2517), 100,
मैन रोड, मन्डया।

क्षेत्रफल:—

पूर्व: सर्वे सिद्धपा का मकान

पश्चिम: हास्पिटल सिद्ध्या का मकान

उत्तर: 100' रोड।

दक्षिण: कें बोरेगीडा का मकान।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 25-11-1975

मोहर:

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निवेश सं० सि० आर० 62/4096/75-76—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 46 उत्तरी भाग है, जो राजमहल विलास एक्सटेनशन सदाशिवनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 224/75-76 ता० 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० सी० इय्या पुत्र के० पुट्टु रावपी० 44 (456, अप्पर प्यालस प्रारंभिक) संदाशिवनगर, बैंगलूर-6 (अन्तरक)

2. श्रीमती वहीदुशिसा बेगम पत्नी मुहम्मद अली नं० 2, रेसकोर्स रोड, बैंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 46 (उत्तरी भाग), राजमहल विलास एक्सटेनशन, सदाशिवनगर, बैंगलूर-6

(छिपाने नं० 45)

क्षेत्रफल : पू० प० 127'

उ० द० 42½'

5334 वर्ग फीट

सीमा :—

पूर्व : सैट नं० 43

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : सैट नं० 46 का बचा भाग।

दक्षिण : सैट नं० 47

दस्तावेज नं० 224/75-76 तारीख 7-4-1975

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 10-11-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4097/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 46 दक्षिण भाग है, जो राजमहलविलास
एक्सटेनशन सदाशिवनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 225/
75-76 ता० 7-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० सी० ईय्यि पुत्र के० पुट्टुराव पौ० 44 (456
प्यालस अप्पर आरचर्डस) सदाशिवनगर, बैंगलूर-6 (अन्तरक)

2. श्रीमती रेहाना पुत्री मुहम्मद अली नं० 2, "रेस ब्यू",
रेस कोर्से रोड, बैंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट लेखण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 46 (दक्षिण भाग), राजमहल विलास एक्सटेनशन
(जिवीजन नं० 45) सदाशिवनगर, बैंगलूर-6।

क्षेत्रफल : पू० प० 127' } 5334 बर्ग फीट
उ० द० 42½']

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 43

पश्चिम : रोड

उत्तर : सैट नं० 45

दक्षिण : नं० 46 का बचा भाग

दस्तावेज नं० 225/75-76 ता० 7-4-1975

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4101/75-76—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 260 का एक भाग है तथा जो अप्पर व्यालस आर्चर्डेस, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 368/75-76 ता० 23-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्स्कौ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेमलता ए० कोभावावे 74, मिल्लर रोड,
बैंगलूर-42
(अन्तरक)

2. (1) श्री छोटुभाई भीकमबाई पटेल

(2) मालती छोटुभाई पटेल 285/9/1 व्यालस अप्पर
आर्चर्डेस बैंगलूर-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 368/75-76 दि० 23-4-1975)
सेट नं० 260 का एक भाग जो अप्पर व्यालस आर्चर्डेस, बैंगलूर ।

क्षेत्रफल: $20'' \times 91' = 1520$ वर्ग फीट

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 15-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निवेश सं० सि० आर० 62/4104/75-76—यसः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-डी (पुराना नं० 5) का एक भाग है, तथा जो प्यालस रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धनं या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—376GJ/75

1. (1) श्री के० बसवराज अर्स द्वारा मुख्तारनामी के० बी० रामचन्द्रराज अर्स

(2) के० बी० रामचन्द्रराज अर्स 'श्री रामलीला' नं० 1-ए (पुराना नं० 5) प्यालस रोड, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती एस० डी० निर्मला पट्टनी डी० एम० शिवस्वामी, नं० 26, विश्वनाथराव रोड गाधवनगर, बैंगलूर-1 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 392/75-76 ता० 16-4-1975) रिक्त भूमि 1-डी (पुराना नं० 5) का एक भाग, प्यालस रोड, कापोरेशन का उत्तर पूर्वी रेन्ज, बैंगलूर।

धेनुफल : उत्तर : 90', वक्षिण पूर्वी और 134' पश्चिम 95' सीमा :

उत्तर : डी० एम० शिवस्वामी की सेट

वक्षिण पूर्वी : कामपोड और सरकारी जमीन

पश्चिम : अन्तरक की जमीन और नरसिम्हन की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 10-11-1975

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु ?

बैंगलूरु, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4110/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, बैंगलूरु

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/21 में प्लाट नं० 17 है, तथा जो राजमहल विलास एक्सटेन्शन, बल्लारी रोड़, बैंगलूरु में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 489/75-76 ता० 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पग्गह प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टात्:—

1. श्री विश्वरामा होटलस लिमिटेड 1/21, बल्लारी रोड़, व्यालस अप्पर आर्चर्डस बैंगलूरु-6 (अन्तरक)

2. श्री एम० वरदराजु पुत्र एम० मुनिस्वामी राजू, नं० 2, III टेमपल रोड़, बल्लेश्वरम, बैंगलूरु-3 (अन्तरिती)

4. रेडोस, नं० 42, कस्तूरबा रोड़ कास, बैंगलूरु-1
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 489/75-76 दि० 30-4-75]

नं० 1/21 में प्लाट नं० 17, राजमहल विलास एक्सटेन्शन, बल्लारी रोड़, बैंगलूरु।

डिजिन: नं० 45

क्षेत्रफल: पूर्व-पश्चिम 70' }
उत्तर-दक्षिण 90' } 6300 वर्ग फीट

सीमा :—

पूर्व: कार्पोरेशन ले ओट रोड़

पश्चिम: प्लाट नं० 16

उत्तर: प्लाट नं० 10

दक्षिण: कार्पोरेशन ले ओट रोड़

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु।

तारीख: 10-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
भर्जन रेज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निदेश सं० सी० प्रार० 62/4138/75-76—यतः मुझे,
प्रार० कृष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1162 (1162/11) 24 'ए' मैन रोड,
IV 'टी' ब्लाक, है, जो जयनगर, बैंगलूर-11 (डिवीजन 35)
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दस्तावेज सं० 71/75-76 ता० 5-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1 श्री प्रार० सूर्यनारायण पुत्र के० एस० रामचन्द्र अम्बर
1145, IV 'टी' ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री एस० एन० राधवेन्द्र पुत्र एच० एस० नारायण सेटी
179, III ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इर्जन के
लिए कार्यवाहियां मुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के इर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 1162, कार्पोरेशन नं० 1162/11, 24 'ए' मैन
रोड, IV 'टी' ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (डिवीजन नं० 35)
क्षेत्रफल: पू० प० 90'

4050 वर्ग फीट

उ० व० 45'

सीमा:

उत्तर: सैट नं० 1161
दक्षिण: सैट नं० 1163
पूर्व: 24 'ए' मैन रोड
पश्चिम: सैट नं० 1157
दस्तावेज नं० 71/75-76
ता० 5.4.1975

प्रार० कृष्णमूर्ति
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 25-11-1975

मोहर:

प्र० श्री आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4143/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 12 है तथा जो कनकानपालय, II ब्लाक जयनगर,
बैंगलूर-11 में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर,
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दस्तावेज नं० 183/75-76 दिनांक 16-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मीगोड़ा पुत्र लक्ष्मी गोड़ा 245, III क्रास, I
ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11
(अन्तरक)

2. श्री टी० जी० बसवराजू
2. टी० जी० शनमृगप्पा
3. टी० जी० परमशिवव्या

तावरकेरे कसबा मारडी तालुक बैंगलूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 183/75-76 दि० 16-4-1975)
मकान नं० 12, कनकनपालय, II ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11
डिक्वीजन नं० 34
क्षेत्रफल: पू० ५० ३०'
उ० ४० ४०'

पहला दूसरा भजिला—6 धर्गे प्रति
सीमा:

पूर्व: शामका का मकान

पश्चिम: केमपट्टा का मकान

उत्तर: रास्ता

दक्षिण: मरगोलसाडे रामपट्टा का मकान

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 10-11-1975

मोहर:

प्रस्तुत आईटी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4145/75-76—यतः मुक्ते
आर० हृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 1/11, 1/12, 1/27 और 1/28 है तथा जो बैनकटप्पा ब्लाक गुरुवपनपालया बैंगलूर-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के० बैनकटेस्पा पुत्र कोल्लम्पा 40/46, रामनन्दिर रोड वसवनगुडि, बैंगलूर-4 (अन्तरक)

(2) श्री य० रामलिनगम पुत्र दी० बेलु नारायणस्वामी गार्डन्स जयनगर रोड बैंगलूर सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 261/75-76 ता० 21-4-75 सैट नं० 1/11, 1/12, 1/27, और 1/28 बैनकटप्पा ब्लाक, गुरुवपनपालया, बैंगलूर-29

1. सैट नं० 1/11 पू० १० प० ३०'×३०' द० ४०'=१२०० वर्ग फीट

सीमा : पू० : सैट नं० 1/12, १० सैट नं० 1/10

उ० : रास्ता द० : सैट नं० 1/28

2. सैट नं० 1/12 : पू० १० प० ३०×३०' द० ४०'=१२०० वर्ग फीट

सीमा : पू० : सैट नं० 1/26, १० : सैट नं० 1/28 उ० : सैट नं० 1/28, द० : रास्ता

3. सैट नं० 1/27 : पू० १० प० ५३'×३०' द० ४०'=२१२० वर्ग फीट

सीमा : पू० : सैट नं० 1/27, १० : सैट नं० 1/29 उ० : सैट नं० 1/11, द० : रास्ता

आर० हृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूर

तारीख 25-11-1975

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निदेश सं० सिं० आर० 62/4146/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/7, 1/8, 1/31 और 1/32 है तथा जो वेनकंटप्पा ब्लाक गुरुवरप्पनपालथ बैंगलूर-29 में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बैंगलूर-11 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छरु प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरियों (अन्तरियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपावारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतः:—

(1) श्री एस० कै० वेनकंटप्पा पुत्र कॉल्लप्पा 40/46, राममन्दिर रोड बसवनगुडि, बैंगलूर-4 (अन्तरक)

(2) श्री पी० सुमित्र पुत्र पिल्लप्पा 46, कमला नेहरू नगर रोड बैंगलूर-18 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहों अर्थे होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 262/75-76 ता० 21-4-75

सैट नं० 1/7, 1/8, 1/31 और 1/32 वेंकटप्पा ब्लाक, गुरुवानापालथा, बैंगलूर-29

1. सैट नं० 1/7 पू० प० 30'×उ० द० 40'=1200 वर्ग फीट सीमा : पू० सैट नं० 1/7 प० : रोड, उ० : रोड, द० : सैट नं० 1/32

2. सैट नं० 1/8 पू० प० 30'×उ० द० 40'=1200 वर्ग फीट सीमा : पू० सैट नं० 1/9, प० : सैट नं० 1/7, उ० : रोड द० : सैट नं० 1/31

3. सैट नं० 1/31 पू० प० 30'×उ० द० 40'=1200 वर्ग फीट सीमा : पू० सैट नं० 1/30, प० : सैट नं० 1/39, उ० : सैट नं० 1/8, द० रास्ता

4. सैट नं० 1/32-पू० प० 30'×उ० द० 40'=1200 वर्गफीट सीमा : पू० सैट नं० 1/31, प० रोड, उ० : सैट नं० 1/7, द० : रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 25-11-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर 75

निदेश सं० सि० आर० 62/4158/75-76— यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 7/37 है, जो बैरस-द्व, 10 ब्रास रोड, I ब्लाक
ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अथवा:—

(1) श्री नमनलाल मेहा
मार्फत शावल म्यूजियम
सी-1, कालेरस स्ट्रीट, मार्क्ट, कलकत्ता-12 (अन्तरक)
(2) (1) श्री एफ० एच० एम० बाबा साहेब
(2) श्रहमद बशीर, 471, 39 ब्रास जयनगर,
बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेट नं० 7/37, 10 ब्रास, बैरसन्द्र,
I ब्लाक ईस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11
स्त्रेंगल पू० प० 78' उ० द० 40'=3120 वर्ग फीट
सीमा: उत्तर: 10 ब्रास रोड,
दक्षिण: प्राइवेट ले औट
पूर्व: सेट नं० 8-36
पश्चिम: सेट नं० 6/38
दस्तावेज नं० 372/65-76 ता० 30-4-75

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 13-11-1975

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4324/75-76—यसः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/21 में प्लाट नं० 15 एक्सटेनशन बल्लारी रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावर्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का फन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-376GI/75

- (1) श्री विश्वरामा होटल्स लिमिटेड
नं० 1/21, बल्लारी रोड, श्थालस अप्पर आर्चेंडस, बैंगलूर-6
(अन्तरक)
- (2) श्री एन० एस० क्रिणस्वामी नं० 152, VI आस, लोवर व्यालस आर्चेंडस, बैंगलूर-6 (अन्तरिती)
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी रेड्क्रास, 42 कस्टरूरका रोड आस बैंगलूर-1
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 812/75-76 ता० 16-5-75)

नं० 1/21 में प्लाट नं० 15, राजमहल विलास एक्सटेनशन, बल्लारी रोड, बैंगलूर कार्पोरेशन डिविजन नं० 45

क्षेत्रफल पू० ८० ९०' }
उ० ८० ६०' } 5400 वर्ग फीट

सीमा:

पूर्व : प्लाट नं० 16

पश्चिम : प्लाट नं० 14

उत्तर : प्लाट नं० 11

दक्षिण : रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4325/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्तिआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० 1/21 में प्लाट नं० 25 राजमहल विलास
एक्सटेनशन बल्लारी रोड, बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) विश्वरामा होटल्स लिमिटेड नं० 1/21 बल्लारी
रोड, प्यालस अप्पर आर्मीडेस बैंगलूर-6। (अन्तरक)

(2) कमलाबेन पत्नी बाबूभाई एन० पटेल 45, प्यालस
आरचर्डस बैंगलूर-6। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी रेड्फ्रास, नं० 42, कस्तूरबा
रोड आस, बैंगलूर-1

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं० 1/21 में प्लाट नं० 25, राजमहल विलास एक्सटेनशन बल्लारी रोड, बैंगलूर डिविजन नं० 45	
क्षेत्रफल पू० प० 90' } उ० द० 60' }	5400 वर्ग फीट
सीमा: पूर्व : प्लाट नं० 26	
पश्चिम : प्लाट नं० 24	
उत्तर : प्लाट नं० 20	
दक्षिण : रोड	
दस्तावेज नं० 814/75-76	
ता० 16-5-75	

आर कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरतारीख : 10 नवम्बर 1975
मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निवेश सं० सि० आर० 62/4331/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 275 है, जो राजमहल विलास एक्सटेनशन बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती नूर जैबा तुराबी पुनी अब्दुल गनी साहेब नं० 4, IV कास, विलसन गार्डन्स, बैंगलूर-27 (अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एन० गन्गू पत्नी एम० गिरियपा भसरकन्ते गांव, सिरा तालुक तुमकूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 275, राजमहल विलास एक्सटेनशन, बैंगलूर-6
क्षेत्रफल पू० ५० ४५' } = 3150 वर्ग फीट
उ० व० ७०' }
सीमा :

पूर्व सैट नं० 274
पश्चिम : सैट नं० 275/1
उत्तर : रास्ता
दक्षिण : सैट नं० 319
दस्तावेज नं० 94/75-76 ता० 5-4-75

तारीख 10-11-75
मोहर :

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलूर

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4338/75-76—यत, मुझे, आर० छृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/21 में प्लाट नं० 3 है

तथा जो राजमहल विलास एक्स्प्रेसन, बल्लरी रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर बैंगलूर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विश्वरामा होटलस लिमिटेड

1/21, बैल्लरी रोड, प्यासास अपर आर्चर्डस बैंगलूर-6
(अन्तरक)

(2) श्री रामानन्द हेगडे, मैडेना, टासकानिया, आसद्रेलिया द्वारा मुख्तारनामी के० भनजय्या सेट्टी अचिल होसमने बडगा बैंगलूर, बनटवास तालुक, एस० के० जिला (अन्तरिती)

(4) रेडरोस 42, कस्तूरबा रोड क्रास, बैंगलूर-1

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षित व्यक्ति जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 582/75-76 ता० 5-5-75)
नं० 1/21 में प्लाट नं० 3, राजमहल विलास एक्स्प्रेसन, बल्लारी रोड, बैंगलूर (कार्पोरेशन डिविजन नं० 45)

क्षेत्रफल : उ० द० 75' } 1000 वर्ग फीट
पूर्व प० 120' }
पूर्व : बल्लारी रोड

पश्चिम : प्लाट नं० 6 और 7

उत्तर : प्लाट नं० 2

दक्षिण : प्लाट नं० 4

आर० छृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 10-11-75

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सिं० आर० 62/4339/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर
(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 1/21 में प्लाट नं० 23 है तथा जो राजमहल
विलास एक्सटेनशन, बल्लारी, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) विश्वरामा होटलस लिमिटेड
1/21, बल्लारी रोड, प्यालस
अप्पर आर्चर्डस, बंगलूर-6

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० आर० अनुराधा रेड्डी पल्ली डी० आर०
राजगोपाल रेड्डी 599, सदाशिवनगर
अप्पर प्यालस आर्चर्डस, बंगलूर

(अन्तरिती)

(3) रेड्रोस, 42, कस्तूरबा रोड क्लास, बंगलूर-1
(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 592/75-76 ता० 28-4-75]
नं० 1/21 में प्लाट नं० 23, राजमहल विलास एक्सटेनशन,
बल्लारी रोड, बंगलूर-1

लिखित नं० 45

क्षेत्रफल पू० प० 60'

5400 वर्ग फीट

उ० द० ००'

सीमा :

पूर्व : प्लाट नं० 24

पश्चिम : कार्पोरेशन ले औट रोड

उत्तर : प्लाट नं० 22

दक्षिण : कार्पोरेशन ले औट रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

तारीख 10-11-75

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय बैंगलूर

बैंगलूर तारीख 10-11-1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4340/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बैंगलूर
(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 1/21 में प्लाट नं० 20 है तथा जो राजमहल
विलास एक्सटेनशन, बल्लारी रोड, बैंगलूर में स्थित है (और
इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय गान्धी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विश्वरामा होटलस लिमिटेड

1/21, बल्लारी रोड, व्यालस अपर आर्चर्डंस
बैंगलूर-6

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जनगमना

9/1, मैन रोड, चामराजपेट बैंगलूर-18

(अन्तरिती)

(4) रेडरोस, 42, कस्तूरबा रोड आस, बैंगलूर-1

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 593/75-76 ता० 28-4-75
नं० 1/21 में प्लाट नं० 20, राजमहल विलास एक्सटेनशन
बल्लारी रोड, बैंगलूर

डिविजन नं० 45

क्षेत्रफल:	पू० ५० ६०'	} 5400 वर्ग फीट
उ० द० ९०'		

सीमा :

पूर्व: प्लाट नं० 19

पश्चिम: प्लाट नं० 21

उत्तर: कार्पोरेशन ले औट रोड

दक्षिण: प्लाट नं० 25

शार० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 10-11-75

मोहर :

प्र॒र॒प आ॒ई॒०टी॒०ए॒न॒०ए॒स॒०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5 दिसम्बर 1975

निदेश सं० अमृतसर/208/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरंग रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः—

(1) श्री अर्जीत सिंह सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी गांव तुंगाई तहसील व जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज सपुत्र श्री धनी राम कटड़ा भाई सन्त सिंह, बेरी गोट, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 378 तथा 379 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 5-12-75

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5 दिसंबर 1975

निवेश सं० अमृतसर/209/75-76— यतः मुझे, वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरंग रोड अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसू में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपबारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

(1) श्री अजीत सिंह सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती
महिन्द्र कौर विद्वान् श्री गुरबचन सिंह वासी गांव
तुंगपाई तहसील व जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाश सपुत्र श्री पन्ना लाल, कटडा चढ़त
सिंह, अमृतसर :
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार यदि हो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 289 तथा 295
अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 5-12-75

मोहर :

प्र० श्री ० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-75

निदेश सं० अमृतसर/210/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरंग रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्थ: अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

13-376GI/75

(1) श्री अर्जीत सिंह सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह, वासी गाँव तुंगपार्वती तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री सुनीती कुमार सपुत्र श्री बलदेव राज 32 पीन एवेन्यू, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 284 तथा 288 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 5-12-75

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निवेश सं० अमृतसर/211/75-76—यतः मुझे, बी० आर० संगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरंग रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल

1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए असारित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक सिंह, सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कोर विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी गांव तुंगपाई तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री पशोरी लाल सपुत्र श्री मुन्नी राम वासी मुसलिम गंज, अमृतसर। श्रीमती प्रकाश वती पर्सी श्री चिमान लाल वासी मुसलिम गंज अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हव्वि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें।

ल्यट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 291 तथा 292 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० संगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रकृष्ट ग्राही ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश नं० अमृतसर/212/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरांग रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ब) ऐसी जूसी आय या जूसी बच वा अन्य आविष्टियों को, जिहें भोजनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रक्रिया नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी गांव तुंगपाई तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री जनक राज सपुत्र श्री धनी राम ढाब खटीका, अमृतसर। (अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंतन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंतन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 293 तथा 294 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश नं० अमृतसर/213/75-76—यतः मुझे, वी० आर० संगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरंग रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तवैक्षणिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की वज़ारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह समूत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी गांव तुंगपाई तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

(2) मैसर्ज लक्ष्मी वोस्टर उद्योग अन्दर चाटीविड़ गेट अमृतसर। मैसर्ज कोहिनूर टैक्सटाईल मिल्ज अन्दर चाटी विड़ गेट, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 283
अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर।

सहायक आयकर

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश सं० अमृतसर/214/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरग रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह सपुत्र श्री गुरबचन सिंह तथा श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी गांव तुंगपाई तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री हरचरन सिंह, हरभजन सिंह, अजायब सिंह, सुरजीत सिंह सपुत्रान दयाल सिंह, बाजार लघमनसर अमृतसर। श्रीमती सुदर्शन पत्नी जुगल विश्वार व श्रीमती अर्वन प्रभा पत्नी भजन लाल, बाजार सिरकी बैंदा अमृतसर। मैसर्ज लक्ष्मी वोस्टर उद्योग, मैसर्ज कोहिनूर टैक्सटाईल मिल्ज अन्दर चार्टीविड गेट अमृतसर। जनक राज सपुत्र धनी राम, ढाब खटीका अमृतसर, पश्चीमी लाल सपुत्र मुंशी राम, श्रीमती प्रकाशवती पत्नी चमन लाल, मुसलिम गंज अमृतसर। सुनीती कुमार सपुत्र बलदेव राज 32 ग्रान एवेन्यू अमृतसर। सत्य प्रकाश सपुत्र पन्ना लाल कटड़ा चढ़त सिंह अमृतसर। तिलक राज सपुत्र धनी राम, बड़ा भाई सन्त तिह, बेरी गेट, अमृतसर। (अन्तरितः)

(3) जैसा किनं० 2 में है तथा विरायदार दिए हैं।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 290, 286, 283, 296, 293, 294, 291, 292, 284, 288, 289, 295, 378 व 379 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश न० अमृततर/215/75-76—प्रत: मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० आधा प्लाट न० 44 है तथा जो आर० बी० प्रकाशचन्द्र रोड़ अमृतसर मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरारता (अन्तरारता) के बाच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लाखत मे वास्तविक रूप से काथित नहा किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधान कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारताय आयकर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त आधानयम', या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तारता द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मे सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मे, 'उक्त आधानयम', का धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

(1) श्री महिन्द्र चन्द्र मेहरा सपुत्र श्री आर० बी० लाभ चन्द्र मेहरा वासी माल रोड़, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) नारायण दास अरोड़ा सपुत्र श्री विश्वन दास अरोड़ा, 32 आर० बी० प्रकाश चन्द्र रोड़, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जसा कि नं० 2 मे है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवीर्या व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

आधा प्लाट न० 44 आर० बी० प्रकाश चन्द्र रोड़, अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 260 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मे है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्रूप ग्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश सं० अमृतसर/216/75-76—यतः मुझे, वी० शार० सगर,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी व० भूमि का प्लाट है तथा जो तुंगबाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेसी अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की अध्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवतः:—

(1) राजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री मोहन साल 5 अमृतसर, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री बनारसी लाल सेठी सुपुत्र श्री हरनारायण सेठी तथा श्रीमती राम लुभाई सेठी पत्नी श्री बनारसी लाल सेठी बाहर बौक लोहगह, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार यदि हों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई उपक्रित जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 121 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० शार० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 5-12-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ना० 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 5-12-1975

निदेश नं० अमृतसर/217/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और और जिसकी सं० आधी कोठी है तथा जो गोपाल नगर मजीठा रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उत्तरदायित अनुसूची में और रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ठक प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उच्चन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जोगिन्द्र इन्द्रगाल सिंह सपुत्र श्री गराब सिंह वासी गोपाल नगर, मजीठा रोड़, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री प्रितपाल सिंह सपुत्र श्री नंद सिंह वासी कटडा शेर सिंह अमृतसर अब मैनेजर यूनाइट कमर्शियल बैंक, रैनका जिला सिरमोर (नाहन स्टेट) (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा यदि किरायदार हों (श्री आर० पी० बंगर व डा० इन्द्रजीत सिंह गिल) (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

आधा भाग कोठी गोपाल नगर मजीठा रोड़ अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1141 प्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर (तहसील) में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 5- 2-1975

मोहर:

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मालती अनन्द

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) सुदेश रानी अरोड़ा

(अन्तरिती)

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 26-11-75

निदेश सं० 93-एस/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० के० 26/7 है तथा जो मोहल्ला कचौड़ी गली में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुभूति में और पुराणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1975 तो

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भंग में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० सी० के० 26/7 का 1/4 भाग जोकि मोहल्ला कचौड़ी गली शहर वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र॒र॒प श्राई०टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती लता आनन्द

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1)-के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुदेश रानी अरोड़ा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 26 नवम्बर 1975

निदेश नं० ९३—एस/बी/अर्जन—अतः मुझे विश्वास्तर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिस की सं० सी० के० 26/7 है तथा जो मोहल्ला कच्चौड़ी
गली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० सी० के० 26/7 का 1/4 भाग जो कि
मोहल्ला कच्चौड़ी गली शहर वाराणसी में स्थित है।

विश्वास्तर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-11-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय लखनऊ

लखनऊ, तारीख 26 नवम्बर 1975

निदेश नं० 93-एस/सी/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० के० 26/7 है तथा जो मो० कच्ची गली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए काया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी चड्हा

(अन्तर)

(2) श्रीमती सुदेश रानी अरोड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० सी० के० 26/7 का 1/4 भाग जो कि मोहल्ला कच्ची गली शहर वाराणसी में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख 26-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

(1) श्रीमती शान्ति देवी आनन्द

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती सुदेश रानी अरोड़ा

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायोलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कायोलय लखनऊ

लखनऊ, तारीख 26 नवम्बर 75

निवेश नं० 93-एस/डी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सी० के० 26/7 है तथा जो मोहल्ला कबौड़ी गली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय वाराणसी म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-1975

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्लिनि के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिनि से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिनि का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्लिनि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

फो यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जे। के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित अन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० सी० के० 26/7 का 1/4 भाग जो कि मोहल्ला कबौड़ी गली शहर वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख: 26-11-1975

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th November, 1975

No. A. 11013/2/74-Admn. II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 22-10-75, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three officials of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer(Special) in the Commission's Office for a further period of two months with effect from 1-11-75 or until further order, whichever is earlier :—

S.No.	Name	Post held in CSS Cadre
	S/Shri	
1.	B. S. Kapur	Section Officer.
2.	B. N. Arora	Do.
3.	K. L. Katyal	Assistant.

2. The appointment of the aforesaid officer as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10 (24)-E. III/60 dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Secretary.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd November 1975

No. P-1570/Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, is pleased to permit Smt. Indumati Sheorey, a permanent Junior Research Officer (Language)—Class II Gazetted Non-Ministerial—in the Office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-10-1975 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24-11-1973.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)
for Secretary, UPSC.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE
REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th November 1975

No. S-157/67-AD-V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Surjit Singh, Inspector of Police of Delhi Police (DANI) to officiate as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1-11-1975, until further orders.

The 21st November 1975

No. PF/S-21/74-AD-V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri S. Kumaraswamy, I.P.S. (Tamil

Nadu) as Supdt. of Police in the Special Police Establishment, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 31st August, 1974 until further orders instead of 7-9-74, as previously notified vide this office Notification No. 3/7/74-AD. V dated 18-9-74.

The 24th November 1975

No. A.35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Bibhas Bhushan Mukherjee, Inspector of Police, West Bengal State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7th November, 1975, until further orders.

No. A.35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Ramesh Chandra Mukherjee Sub-Inspector of Police, West Bengal State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st November, 1975, until further orders.

G. J. AGARWAL,
Administrative Officer(E)

New Delhi-110001, the 25th November 1975

No. N-31/65-AD.V.—Shri N. P. Rego, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation on deputation to Air India as Senior Vigilance Officer attained the age of superannuation on 18-10-75 and retired from Government Service with effect from the afternoon of 31-10-75.

V. P. PANDE,
Administrative Officer
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th November 1975

No. E-16016/8/73-Ad.I.—On repatriation to his parent Ministry (i.e. Ministry of Home Affairs), on the expiry of his term of deputation in the Central Industrial Security Force, Shri J. S. Khanna, relinquished the charge of the post of Section Officer, Central Industrial Security Force Headquarters, New Delhi, with effect from the afternoon of 23rd October 1975.

L. S. BISHT,
Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
CENTRAL REVENUES

New Delhi-110003, the 20th November 1975

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/3026.—In pursuance of and on expiry of notices for three months served on them to retire them from Govt. Service, under Clause (j) of F.R. 56, S/Shri G. K. Saxena (Govind Kishore Saxena) and Gur Parshad, Accounts Officers of this office shall retire from Govt. service w.e.f. 30-11-75 A.N.

The dates of birth of S/Shri G. K. Saxena and Gur Parshad are 15-10-18 and 15-10-24 respectively as per the records of this office.

H. S. DUGGAL,
Sr. Dy. Accountant General

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the December 1975

Additional Deputy Comptroller and Auditor General (C) has been pleased to promote the following Section Officers(C) and appoint them to Officiate as Audit Officers(C) and post them as such in the Offices noted against each name in column 3, with effect from the dates mentioned in column 4 below until further orders :

Name of the Section Officer(C)	Office where working before promotion.	Office where posted on promotion as Audit Officer (C)	Date of posting as Officiating Audit Officer(C)
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. Nimai Kumar Shaw	A. G. West Bengal.	MAB & Ex-O, DCA (Coal) Calcutta	28-7-75 (FN)
2. Gourhari Mandal	Do.	MAB & E. O DCA, Ranchi	30-8-75 (FN)
3. J. L. Srivastava	A. G. U.P. Allahabad.	A. G. Bihar, Patna	27-6-75 (FN)
4. T. G. Venkatarama Iyengar	A. G. Karnataka	A. G. Karnataka	4-6-75 (FN)
5. P. C. Parthasarathy	MAB & E. O DCA Madras	MAB & E. O DCA, Dehradun	7-6-75 (FN)
6. Badri Lal Sharma	A. G. Rajasthan	A. G. Rajasthan	5-6-75 (FN)
7. R. N. Maheshwari	Do.	A. G. M. P. Gwalior	16-6-75 (FN)
8. Rameshwar Prasad Sharma	Do.	A. G. Punjab	16-6-75 (FN)
9. A. M. Shaikh	MAB & E.O. DCA, Bombay	A. G. (S & SD), Bombay	2-6-75 (FN)
10. P. E. Easo	Do.	Do.	2-6-75 (FN)
11. H. N. Krishnaih Shetty	A. G. Karnataka	A. G. Karnataka	12-6-75 (FN)
12. L. Thippiah	MAB & E.O. DCA Bangalore	A. G. (TN), Madras	27-6-75 (FN)
13. T. R. Sripada Raja	On deputation in the office of the CAG of India.	A. G. Karnataka	7-7-75 (FN)

S. D. BHATTACHARYA
Deputy Director (C)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA-I**

Bombay-400020, the 12th November 1975

No. Admn. I/JAD/31-Vol. II/9.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers, with effect from the dates mentioned against each of them, until further orders :—

Sr. No.	Name	Date
1.	Shri V. N. Srinivasan	3-10-75 A.N.
2.	Shri M. D. Nekhnani	10-10-75 F.N.
3.	Shri R. D. Gujar	21-10-75

A. B. PALEKAR,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MADHYA PRADESH-I**

Gwalior-474002, the 6th November 1975

No. Admn. I/374.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to appoint the following permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity from the date mentioned against his name.

1. Shri S. D. TRIVEDI (02/0187) 27.10.1975 Forenoon.

S. L. MALHOTRA,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH-I**

Hyderabad-500004, the 22nd November 1975

No. E.B.I/8-312/74-75/317.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. S. Sabhesan a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-11-75 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. AG. (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE, WORKS AND MISCELLANEOUS**

New Delhi, the 20th November 1975

No. Admn. I/2(4)/V/8512-24.—The Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous, New Delhi is pleased to promote on provisional basis, Shri Surinder Pal, Section Officer as Accounts Officer in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce, Works, & Miscellaneous, Bombay with effect from 1-11-1975(FN) until further orders.

B. B. DEB ROY,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-16, the 21st November 1975

No. 45/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. V. A. Warriyar, Offg. Deputy Manager (Permt. S.A.), retired from service with effect from 31-5-75 (A.N.).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 17th November 1975

No. 6/65/54-Admn.(G)/11332.—On attaining the age of superannuation Shri H. L. Mansukhani relinquished charge of the post of Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st October, 1975.

No. 6/906/70-Admn(G)/11344.—On attaining the age of superannuation, Shri N. R. Ramasubramanian, an officer of the Indian Statistical Service relinquished charge of the post of Director of Statistics, in this office on the afternoon of the 31st October, 1975.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 15th November, 1975

No. A-6/247(580)/67.—The President has been pleased to appoint Shri S. K. Pandey, Asstt. Director of Inspection in Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Dy. Director of Inspection in Metallurgical Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of 21-10-75 and until further orders.

Shri Pandey relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of DDI (Met.) Rourkela on the afternoon of 20-10-75 and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Inspectorate Jamshedpur from the forenoon of the 21-10-75.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi, the 24th November, 1975

No. A6/247(351) /72/III.—The President has been pleased to appoint Shri A. Mitra, a permanent officer of Grade I of the Indian Inspection Service, Class I, to officiate as Deputy Director General (Inspection) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of the 11th November 1975 until further orders.

Shri Mitra relinquished charge of the office of the Director of Inspection, Inspection Cell, Tokyo, Japan in the Embassy of India, Tokyo in the forenoon of the 4th November 1975 and assumed charge of the office of Deputy Director General (Inspection) in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies and Disposals New Delhi in the forenoon of the 11th November 1975.

No. A6/247 (386)/Vsl 3.—The President has been pleased to appoint Shri M. T. Kanse, a permanent officer of the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I and officiating in Grade II of the Service to officiate in Grade I of the Service from the forenoon of the 4th November 1975 and until further orders.

Shri Kanse relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection Northern Inspection Circle New Delhi, and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Hqrs. office of the Inspection Wing in the Director General of Supplies and Disposals in the forenoon of the 4th November, 1975.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd November 1975

No. 2/12/75-SHT.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Senior Engineering Assistants to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the date mentioned against each at the

Stations/Offices of All India Radio shown against their names until further orders :—

Sl. No.	Name	Place of Posting	Date of appointment
1.	Shri I.M.S. Parmar	TV Centre, AIR, (Amritsar), New Delhi.	22-9-75 (FN)
2.	Shri S. P. Ahuja	TV Centre, Lucknow.	27-10-75 (FN)

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th November, 1975

No. 8/1(10)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. M. Parnami to the post of Accounts Officer in the Central Government Health Scheme, New Delhi under the Directorate with effect from the forenoon of 6th November 1975 until further orders. Shri K. M. Parnami is on deputation from the office of the Accountant General, Bihar, Ranchi. The deputation will be regulated under Government of India, Ministry of Finance O.M. No. F.10 (24) E III/60 dated 4-5-1961 as amended from time to time.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 19th November, 1975

No. 9-11/75-Admn. I.—The Director of Administration & Vigilance pleased to appoint Kumari Kamlesh M. G. to the post of Clinical Instructor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of 10th October, 1975 in a temporary capacity and until further orders.

No. 1-5/75Admn.-I.—The President is pleased to appoint Shri Baldev Raj, Health Education Officer, All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, to the post of Assistant Professor (Health Education) in the same Institute, with effect from the forenoon of 11th July, 1975, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

Consequent upon his appointment to the post of Assistant Professor (Health Education), Shri Baldev Raj, relinquished charge of the post of Health Education Officer with effect from the forenoon of 11th July, 1975.

S. P. JINDAL
Dy. Director Admn. (O. & M.)

New Delhi, the 19th November 1975

No. 16-39/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. N. Guha, Accounts Officer in the Office of Senior Deputy Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous, Calcutta as Accounts Officer in the Medical Store Depot, Calcutta with effect from 14-4-75 (forenoon) until further orders.

SANGAT SINGH
Dy. Director Administration (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE
& STORAGE

Faridabad, the 10th September 1975

No. 82-5/74-PP&L.—In pursuance of paragraph 16 of the notification of the Government of India in the late Department of Education, Health and Lands No. F. 320-35A, dated the 20th July, 1936, I, the Plant Protection Adviser to the Government of India, hereby authorise all officers in charge of the Plant Quarantine and Fumigation Stations in India for the purposes of the said paragraph.

S. N. BANERJEE
Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT
Bombay-400094, the 24th September 1975
MEMORANDUM

No. DEM/10/90/70-Adm.—In terms of para 2 of this Directorate Memorandum No. 1/1/70/Adm/3413 dated 21-9-1970, I hereby give notice to Shri Jaswant Singh, Tradesman 'B' (Work-charged) of this Directorate that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is tendered to him.

V. G. KHANDEKAR
Director of Estate Management

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th November 1975

No. E(1)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Prof. Asstt., office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Asstt. Met. in an officiating capacity for a period of *eighty nine* days with effect from the forenoon of 25-10-1975 to 21-1-1976.

Shri Bhowmik, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st November 1975

No. A. 32013/3/74-EC.—The President is pleased to appoint ex post facto the following two Senior Technical Officers as Assistant Director of Communication on an ad hoc basis in the Civil Aviation Department for the period shown against each :—

Sl. No.	Name of Officer	Period of ad hoc appointment
1.	Shri S. P. Chari, Senior Technical Officer, (Retired)	From 1-1-1975 to 31-3-1975.
2.	Shri C. N. Raghvan Nair, . . . Senior Technical Officer, (Retired)	From 1-4-1975 to 31-8-1975.

No. A.32013/10/75-EC.—The President is pleased to extend beyond 30th September, 1975, the *ad hoc* promotion of the following 21 Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department up to the 30th November, 1975, or till the posts held by them are filled on a regular basis whichever is earlier :—

1. Shri S. Krishnaswamy
2. Shri L. P. Singh
3. Shri N. Venkatapathy
4. Shri Mrinal Kanti Pal
5. Shri B. N. Godbole
6. Shri J. V. Sharma
7. Shri A. G. Narasimhan
8. Shri S. Jayaraman
9. Shri V. Srinivasan
10. Shri P. J. Iyer

11. Shri N. R. Swamy
12. Shri M. A. Venugopal
13. Shri N. N. Gopalan
14. Shri R. K. Verma
15. Shri V. Alagiri
16. Shri P. C. Banerjee
17. Shri S. P. Hardas
18. Shri K. K. Narayana
19. Shri S. P. Jain
20. Shri K. P. B. Nair
21. Shri B. D. Garekar.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 21st November 1975

No. A.32013/8/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Anjaiah, Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department, New Delhi (Headquarters) to officiate as Dy. Director of Communication in the same office with effect from the 26-8-1975 (F.N) purely on *ad-hoc* basis *vice* Shri B. N. Sharman granted leave.

No. A.38012/1/75-EC.—Shri B. N. Prasad, Communication Officer, A.C.S., Lucknow relinquished charge of his office on the 31st October, 1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 24th November, 1975

No. A. 38013/1/75-EC.—The undermentioned officials on attaining the age of superannuation retired from Government service on dates indicated against each :—

S. No.	Designation and Station of posting	Date of retirement
1.	Shri V. P. Saigal, Asstt. Comm. Officer, A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.	31-10-75 (AN)
2.	Shri D. S. Grewal, Asstt. Comm. Officer, A.C.S., Delhi Airport, New Delhi.	31-10-75 (AN)

V. V. JOHRI
Asstt. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th November 1975

No. 1/390/75-EST.—Shri Sushil Prakash Saxena, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 30th October, 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 24th November 1975

No. 1/367/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. L. Menezes Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 18-8-1975 to 27-9-1975 (both days inclusive), against short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 24th November 1975

No. A-31014/1/74-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following officers in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in a substantive capacity, with effect from the dates as shown against each:

S.No.	Name of Officer	Date from which appointed substantively.
1.	Shri M. J. Kunthekar	14-12-72
2.	Shri H. P. Sharma	1-1-73
3.	Shri M. V. Athavale	1-1-73
4.	Shri Ramesh Kumar Kohdiyya	1-1-74
5.	Kumari V. V. Erande	1-1-74

K. P. B. MENON,
Under Secretary,
for Chairman, C. W. Commission.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 21st November 1975

No. 3-372/75-C.H.(Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shri Abarr Husain is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Lucknow w.e.f. 24-10-75 (F.N.) till further orders.

No. 3-407/75-CH(Estt.).—Shri L. M. Mothgare is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Nagpur w.e.f. 30-10-75 (F.N.) till further orders.

No. 3-415/75-C.H. (Estt.).—Dr. Shamsher Bahadur Singh is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 23-10-75 (F. N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH
Chief Hydrogeologist & Member

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 21st November 1975

No. P.2/1.—On deputation from the Office of the Accountant General Orissa, Bhubaneswar, Shri M. Subba Rao, Accounts

Officer is appointed as Accounts Officer in the Rehabilitation Reclamation Organisation Headquarters office, Jeypore, Dist. Koraput (Orissa) with effect from the forenoon of 25-10-75 until further orders.

B. P. SAXENA
Administrative Officer
for Operational Engineer

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kamlaindra Engineering Enterprises Private Limited

Jaipur, 21st November, 1975

No. Stat/1419/9244.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kamlaindra Engg. Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
JAIPUR

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 28th July, 1975

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 264.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, CLII with effect from the dates mentioned against their names:—

1. Shri H. Sethu Rao	2-11-72.
2. Shri T. M. Khadture	1-2-1975.

O. V. KURUVILLA,
Commissioner of Income-tax
Bombay City-I Bombay.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

DHARWAR

Dharwar, the 3rd December 1975

CORRIGENDUM

Read "Sri Sitaram" instead of "Sri Shantaram" as mentioned at Sl. No. 5 (Transferors) and Tuljansa instead of Tulajasa mentioned in Sl. Nos. 1 to 6 (Transferees) in the notice under Section 269D(1) of the Income tax Act, 1961 dated 4.10.1975 published in the Gazette of India, Part III, Section 1, dated 25th October, 1975 on page 9183.

P. S. SATYANARAYANA RAO
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar
Competent Authority.

FORM ITNS

(1) Shri Chaman Lal Chaudhry,
s/o Late Shri Girdhari Lal,
50, The Mall, Meerut Cantt.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref. No. LDH/1329/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Property No. B-I/184, Kailash Chowk, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Lajwant, w/o Shri Daulat Ram,
Resident of B-I/1371,
Chhawni Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kailash Chowk, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 87 of April, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 5th December, 1975

Ref No. BNL/1316/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 55 kanals and 11 marlas, situated at Village Sekha, Tehsil Barnala, Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Santi, wd/o Shri Sarwan Ram, s/o Shri Modan Ram, Residential of Village Sekha, Tehsil Barnala, District Sangrur.

(Transferor)

Sarvshri
(2) i. Bhagirath Ram, }
ii. Tirath Ram, }
iii. Ram Lal, }
iv. Vas Dev. }
}

sons of Hukam Chand, Residents of Village Sekha, Tehsil Barnala, District Sangrur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Measuring 55 kanals 1/2 share of 111 kanals 2 marlas, situated in Village Sekha, Tehsil Barnala, District Sangrur

Killa No. 207 (1-5) 208 (4-4), 10 (4-4) 11 (7-19), 12(8-0),

6	9	2
—	—	—
2	2	

13(8-0), 209 (7-7), 12(7-7), 208 (2-9), 8 (4-4), 14 (4-14), 17(4-18),

11	7	2
—	—	—
2		

11(8-0), 19(8-0), 20(7-12), 21 (3-8), 22 (3-18), 23 (3-4),

1	1	1
---	---	---

24 (2-4), 215 (4-12), 1/2 (3-8), 10 (2-5)

1	1	1
—	—	—
1		

Khata No. 628 Jamabandi year 1972-73.

1136-1137
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1108 of May, 1975 of the Registering Officer Barnala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH.

Date : 5-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdjal Singh, s/o Shri Milkha Singh,
s/o Shri Nand Singh,
R/o Village Dekha Tehsil and District Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 5th December, 1975

Ref. No. LDH/1317/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 6 bighas, 8 biswas, and 17 biswansi, situated at Village Dakha Tehsil & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Sarvshri
(2) i. Balbir Singh,
ii. Avtar Singh,
iii. Satpal Singh, }

sons of Harnek Singh, s/o Bhagwan Singh,
Residents of Village Dekha, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 6 bighas, 8 biswas and 17 biswansi, situated in Village Dakha, Tehsil and District Ludhiana.

1/3rd share of 19 bighas, 6 biswa and 11 biswansi) khewat No. 961.

Khatauni No. 1256.

Khasra No.	78						
	1	10	11	12	9	23	23
	2	1	2	1	—	1	2
79	89						
5	6	2	—3—4				
4	1	2					
					2		

1154, Jamabandi 1970-71

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH.

Date : 5-12-1975.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) (i) Smt. Indumatiiben Chimanlal;
Borsali, Khanpur, Ahmedabad-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd December 1975

Ref. No. Acq.23-I-719(243)/H/75-76.—Whereas, I. J.

Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 4225, Sub-plot No. 2 Muni. C. No. 2713 & 2714 to 2714/4 situated at Shahpur Ward No. II, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(ii) Smt. Gajiben Jivanlal,
Borsali, Khanpur, Ahmedabad-1.(2) Borsali Apartments Cooperative Housing Society Ltd. through Chairman : Shri Prabodh Hiralal Patel, 28/2, Patel Nagar Society, Asarwa, Ahmedabad-16.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing S. No. 4225, Sub-plot No. 2, Municipal C. No. 2713, 2714 to 2714/4, admeasuring 3076 Sq. Yards, situated at Shahpur Ward No. II, Ahmedabad, as fully described in the sale-deed No. 3746 registered on 18-4-1975.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd December 1975

Ref. No. Acq.23-I-557(244)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269C of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 359/1, 359/2 and 360 and plot No. 100, 101 & 102 situated at Naroda Industrial Township, Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-4-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. Uday Industries, Plot No. 100/1/2, Naroda Industrial Township, Naroda.

Through : its partners :—

1. Shri Girdharbhai Ambalal Patel; Laxminarayan Society, A'bad.
2. Shri Bhikhambhai Girdharbhai Patel; Village Randheja, Distt. Gandhinagar.
3. Shri Popatil Girdharbhai Patel; Laxminarayan Society, A'bad.

4. Shri Ishwarlal Girdharbhai Patel; Laxminarayan Society, A'bad.
5. Shri Ramabhai Shamalbhai Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
6. Shri Kachrabhai Shamalbhai Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
7. Shri Chimanlal Maganlal Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
8. Shri Nathalal Mohanlal Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
9. Shri Amritlal Girdharbhai Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
10. Shri Girdharbhai Atmaram Patel; Randheja Distt. Gandhinagar.
11. Shri Ramubhai Govindbhai Patel; Bavla. Dist. A'bad.
12. Shri Hasmukhbhai Gopaldas Patel; Bavla. Dist. A'bad.
13. Shri Ishverbhai Gordhanbhai Patel; Bavla. Dist. A'bad.
14. Shri Bhupendrakumar Haldevbhai Patel; Bavla. Dist. A'bad.
15. Shri Bhogilal Shivalal Patel; Bavla. Dist. A'bad.
16. Smt. Kantaben Girdharlal Patel; Randheja. Dist. Gandhinagar.
17. Smt. Lilaben Girdharlal Patel; Randheja Dist. Gandhinagar.
18. Shri Gopaldas Shivalal Patel; Bavla. Dist. A'bad.

(Transferor)

- (2) Reliance Textile Industries Pvt. Ltd. Court House, 4th Floor, Tilak Marg, Dhobi Talao, Bombay-400002.

(Transferee)

- (4) Gujarat Industrial Development Corporation, Ahmedabad.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of leasehold land situate lying and being at Naroda Industrial Township, Naroda, Ahmedabad of City Taluka in the Registration District and Sub-District of Ahmedabad forming part of Revenue Survey Nos. 359/1, 359/2 and 360 and Plot No. 100, 101 and 102 of Naroda Industrial Township, Naroda within the village limit of Naroda admeasuring 8889 sq. yds. (i.e. 7432 sq. mtrs.) or thereabouts together with buildings and structures standing thereon.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishorebhai Patel & Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. O. Michael

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Dhulsi Co. op. Housing Soc. Ltd.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. AR/V303/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra,
 12
 the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9, S. No. 125 Hissa No. 1 (pt.) & S. No. 142 situated at Nahur—Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-75
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur Mulund in the Registration District and Sub-district Bombay city and suburb containing by admeasure of 1243 sq. yds. i.e. 1039.309 sq. metres or thereabouts being Plot No. 9 and being Part of Survey No. 125 Hissa No. 1 (part) and bearing survey No. 142 bearing city survey No. 669 and bounded as follows:—that is to say on or towards the North by subdivided Plot No. 13, on or towards the south by sub-divided Plot No. 8, on or towards the west by sub-divided Plot No. 10, on or towards the East by 30' wide feet Road

J. M. MEHRA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 27-11-75

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. AR.V/304/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra,
 13
 the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,
 being the competent authority,
 under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Plot No. 8, S. No. 125, H. No. 1 (pt.) S. No. 142, H. No. 1 situated at Nahur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1975
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incomes arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Kishorebhai Patel & Others
 (Transferor)
- (2) Shri V. O. Michael.
 (Transferee)
- (3) Dharam Vijay Co. op. Housing Soc. Ltd.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later ;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur (Mulund) in the Registration District and Sub. District Bombay City and Bombay Suburb containment by admeasurement of 1108 sq. yds. i.e. 926 sq. metres or thereabouts being Plot No. 8 and being part of survey No. 125 Hissa No. 1 (part) and bearing survey No. 142 Hissa No. 1 and bearing city survey No. 669 and bounded as follows : that is to say on or towards the North sub-divided Plot No. 130.

On or towards the South by sub-divided Plot No. 8;
 On or towards the West by sub-divided Plot No. 10;
 and On or towards the East by 30' wide Road.

J. M. MEHRA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 27-11-75

Seal :

FORM ITNS

—(1) Shri Kishorebhai Patel & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 27th November 1975

Ref. No. ARV/305/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra,

14

the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14 S. No. 125 H, No. 1 (pt.) S. No. 142 H. No. 1 (pt.) situated at Nahur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—376GI/75

—(2) Shri V. O. Michael.

(Transferee)

—(3) Bivya—Dhruba Co. op. Housing Soc. Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur (Mulund) in the Registration District and Sub-District, Bombay City and Suburb containment by ad-measurement of 1078 sq. yds. i.e. 901 sq. metres or thereabouts being Plot No. 14 and being part of survey No. 125 Hissa No. 1 (part) and bearing survey No. 142 Hissa No. 1 (part) bearing city survey No. 669 and bounded as follows : that is to say on or towards the North by sub-divided plot No. 13 on or towards the south by sub-divided Plot No. 8, on or towards the west by sub-divided plot No. 10 and on or towards the East by 30 feet wide road.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 27-11-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Dharampal Mehra. 2. Sri Vedprakash Mehra.
3. Shri Devprakash Mehra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Kailashvati D. Mehra.
2. Smt. Kamlavati V. Mehra.
3. Smt. Pushpavati D. Mehra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. AR.V/323/74.—Whereas, I, J. M. Mehra,
32

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 19, 52, 61 & H. No. 2, 18, 3 & 21 (pt.) situated at Mohili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-4-75 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land or ground together with the messuage/tenements houses standing thereon, situate lying and being in the village Mohili in the Registration Sub-District of Bandra and in the District Bombay suburban containing by admeasurement 477 sq. yds. (i.e. 3994.18 sq. metres) on thereabouts including the said lands admeasuring 4390 sq. yds. (i.e. 3646.77 sq. metres) comprised in the said Indenture of Lease dated 12th June, 1960 and the Nala and bearing the following survey numbers and Hissan Numbers:—

Survey No.	Hissa No.
19	2 (part)
52	18 (part) 21 (part)
61	3 (part)

and bearing city survey Numbers 687/1 to 687/6 and 684 of city survey sheet No. 20 and 27 and bounded as follows: that is to say on or towards the East by a Nala on or towards the west by a passage on or towards the North by the property bearing survey No. 19 Hissa No. 4 and on or towards the south by a passage.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 27-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, SMT. KAMLADEVI GAURI DUTT MITTAL, PUNARVASU AYURVEDIC HOSPITAL BLDG, 5TH FLOOR, ROOM NO. 504, NEAR CHARNI ROAD STATION, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400 002, the 1st December 1975

Ref No. A.R./III/717/April 75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, III, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8, S. No. 51, Hissa No. 2 (Part) S. No. 52 H. No. 1 (part) situated at Pahadi, Goregaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 2-4-75. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Young Enterprisers Pvt. Ltd.
Killachand Devchand Bldg, Abdul Rehman Street,
Bombay 400 003.

(Transferor)

(1) Gulamhusein Mulla Abdulhusein Liliawalla.

(2) Shirinbal Gulamhusein Liliawalla.

(3) Yusuf Gulamhusein Liliawalla.

(4) Hafiz Gulamhusein Liliawalla, Rehanabad, 2nd floor, Spence Rd., Byculla Bridge, Bombay-400 008.

(Transferee)

(3) as Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) as in Sr. No. 2.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate at Ghodbunder Road now known as Swami Vivekanand Road in the village of Pahadi, at Goregaon in Greater Bombay, in the Registration Sub-district of Bandra Registration District Bombay Suburban containing 3797 square yards (i.e. 3174.78 sq. metres) or thereabouts as per previous title deeds but containing on actual admeasurement 3943.24 square yards (i.e. 3297.06 square metres) or thereabouts and being Plot No. 8 of Udyognagar Estate and bearing Survey No. 51, Hissa No. 2 (part) and Survey No. 52, Hissa No. 1 (part) and bounded as follows: that is to say, on or towards the East by partly by Plot No. 7 of Udyognagar Estate and partly by the property now or formerly of Janardhan Shamrao Raote and others on or towards the North by 60 feet wide internal common road being plot No. 14 of Udyognagar Estate on or towards the West by plot No. 9 of Udyognagar Estate and on or towards the South by the property now or formerly of Janardhan Shamrao Raote and others and the plot No. 8 is assessed under ward Nos. P584, P 5842(2) and P581(2A) and Street Nos. 8A and 1/AA.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 1-12-1975

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Nathu Lal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldev Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th November 1975

Ref. No. 48-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 408 etc. situated at Vill. Aganpur Darkhera, Dist. Pilibhit (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beesalpur on 29-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Nos. 408, 410, 421 and 420 measuring 9.97 Acres situated in Vill. Aganpur Darkhera Teh. Beesalpur, Dist. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 17-11-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hukam Chand and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th November 1975

Ref. No. 49-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land Half Share Area 4.26 Acres 7/8 share situated at Ramjiwanpur Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 13-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of Agr. land measuring an area 4.26 Acres consisting 7/8 share situated at village Ramjiwanpur Teh. Gadarpur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hukam Chand and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th November 1975

Ref. No. 64-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land half share Area 4.26 Acres share 7/8 situated at Ramjiwanpur Distt. Nainital.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 13-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of Agr. land measuring an area of 4.26 Acres consisting 7/8 share situated at village Ramjiwanpur Teh. Gadarpur, Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurnam Kaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Prasad Raijada and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 73-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 185A/357 situated at Civil Lines, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 185A/357 situated at Civil Lines, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1975

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Ram Kishori Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Lakarmandi Sahkari Co-operative Housing Society,
Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 21-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 2, situated at Saadat Ganj, Lucknow,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Lucknow on 13-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 2 measuring an area 50,000 sq. ft. situated
at Mohalla Saadat Ganj, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

Date : 22-11-1975,
Seal :

FROM ITNS

(1) Shri Lavkush Kumar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 22nd November 1975

Ref. No. 92-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mohalla —Dakshin ganj Distt. Mirzapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mirzapur on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

17—376GI/75

(2) Shri Shambhu Nath Agarwal Saraf.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Mohalla Dakin ganj, Mirzapur city.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Habib Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1975

Ref. No. 19-D/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 184 etc situated at Vill. Noorpur Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 21-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Dilip Kaur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 184, 194 and 199 measuring 1/3 portion 6.71 Acres situated at vill. Noorpur Pargana Jahanabad, Dist. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 26-11-75

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kaur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 184 194 and 199 measuring 2/3 portion of 6.71 Acres situated at vill. Noorpur, Pargana Jahanabad, Dist. Pilibhit.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-11-75
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st December 1975

Ref. No. 118/Acq./Dehradun/75-76/2075.—Whereas, I F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 22-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Col. Punya Nara Sincha Rana S/o Col. T. N. Rana, R/o 14-A, Municipal Road, Dehradun Through his General Attorney & Son Sri Basant Nar Singh Rana, R/b 14-A, Municipal Road, Dehradun.
 (Transferor)

(2) Shri I. C. Bahadur, S/o Sri Kirpa Ram Badhwar employed in N.E.R. as Chief Operation Officer, R/rat 16-A, Railway Colony, Gorakhpur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half part of Kothi No. 14-A, Municipal Road, Dehradun in an area of about 2 Bighas of land transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1st Dec. 1975.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st December 1975

Ref. No. 123/Acq/Dehradun/75-76/2076.—Whereas, I F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 22-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Col. Punya Nara Singha Rana, S/o Col. T. N. Rana, R/o 14-A, Municipal Road, Dehradun Through his General Attorney and son Sri Basant Narsingha Rana R/o 14-A, Municipal Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal K. Badhwar, W/o Sri K. G. Badhwar, R/at 16-A, Railway Colony, Gorakhpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of Kothi No. 14-A, Municipal Road, Dehradun in an area of 2 bighas of land transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1st Dec. 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shriram S/o Herilal R/o Shahbanj Drawaja, District Mathura,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Nanak Chandra 2. Satish Chandra 3. Suresh Chandra
Sons of Shri Shiv Charan Lal, Hanuman Tila, Distt.
Mathura. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st December 1975

Ref. No. 162/Acq./Mathura/75-76/2077.—Whereas, I F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 4-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of double storeyed house No. 1321/1, situated at Shahbanj Darwaja, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 37,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1st Dec. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh Bansal, Advocate S/o Late Sri Randhir Singh Bansal, R/o Western Kutchery Road, Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th December 1975

Ref. No. 190/Acq./Meerut/75-76/2101.—Whereas, I F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 30-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Rajendra Prasad Goyal 2. Narendra Prasad Goyal, 3. Virendra Prasad Goyal, and 4. Mahendra Prasad Goyal, Sons of Lala Shiban Lal, R/o 43A, Saket, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of 134th portion of Kothi No. 43A, situated at Saket, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4th Dec. 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd December 1975

Ref. No. 191/Acq/Meerut/75-76/2102.—Whereas, I F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 30-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dharmwat Bansal, Widow Late Sri Randhir Singh Bansal, R/o Western Kutchery Road, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prasad Goyal 2. Narendra Prasad Goyal, 3. Virendra Prasad Goyal, and 4. Mahendra Prasad Goyal, sons of Lala Shiban Lal R/o 43A, Saket, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of 1/4 portion of Kothi No. 43-A, situated at Saket, Meerut CITY, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3rd Dec. 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th December 1975

Ref No. 191A/Acq/Meerut/75-76/2103.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at MEERUT on 30-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Smt. DHARMWATI BANSAL, Widow Late Sri Randhir Singh Bansal, R/o Western Kutehry Road, Meerut City. (Transferor)
- (2) RAJENDRA PRASAD GOYAL (Transferee)
- (2) 1. RAJENDRA PRASAD GOYAL
2. NARENDRA PRASAD GOYAL
3. VIRENDRA PRASAD GOYAL, and
4. MAHENDRA PRASAD GOYAL, Sons of Lata SHIBBAN LAL R/o 43A, Saket, Meerut.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of 1/4th portion of Kothi No. 43-A, situated at Saket, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Aquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—376GT/75

Date: 4th Dec. 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri AJIT SINGH BANSAL, Advocate, S/o Late Sri Randhir Singh Bansal, R/o Western Kutchery Road, Meerut City.

(Transferor)

(2) 1. RAJENDRA PRASAD GOYAL

2. NARENDRA PRASAD GOYAL

3. VIRENDRA PRASAD GOYAL, and

4. MAHENDRA PRASAD GOYAL, Sons of Lala Shibban Lal R/o 43A, Saket, Meerut

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th December 1975

Ref. No. 192A/Acq/Meerut/75-76/2104.—Whereas, I,

F. J. BAHADUR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

MEERUT on 30-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following Persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of Kothi No. 43-A, situated at Saket, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Kanpur

Date : 4th Dec. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C.No. 184/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-3-F-4, situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smit. Pushpalata W/o. Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of S.No. 2 to 11, H.No. 4-1968, Abid Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) T.P.J. Swamy, B-3-F-4, 2nd floor, Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferee)
- (3) J. K. Mansukhani, Universal Hire Purchase, Station Road, Hyderabad. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'T' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situated lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, being Municipal No. 5-8-512 to 517 C. formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.
On or towards the South by Neighbours' Property.
On or towards the East by Neighbours' Property.
On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1. 8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517-C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit Flat No. B-3-F-4 () on the Second Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments' constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1975

Ref. No. R.A.C. No. 185/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1-2-1st floor situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of S.No. 2 to 11, H.No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2)(1) Dr. S. N. Jain,

(2) Mrs. Sudha Jain W/o S. N. Jain, A-1-F-2, 1st floor Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, being Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517-C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing the Park/Storing Unit/Flat No. A-1-2 (1st Floor) on the First Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building; known as 'Poonam Apartments' constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-12-1975

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C.No. 186/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1-F-1, situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Hyderabad on April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of S.No. 2 to 11, H.No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sunanda Devi, 1-2-45, Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, being Municipal No. 5-8-512 to 517 C. formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under:—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517-C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A-1, F-1 () on the Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments' constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 187/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B4 F6 situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o. Ratnand for herself and as G.P.A. on behalf of S.No. 2 to 11, H.No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. D. JITENDER PERSHAD & Smt. VINOD KUMAR
3-6-601, HIMAYATHNAGAR, HYDERABAD.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, being Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under:—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517-C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B-4-F-6 () on the Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments' constructed on the said plot admeasuring 3000 square yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 188/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. B2 F5 situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on April, 1975
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-
tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the
following persons namely :—

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through
its partner Smt. Pushpalata W/o. Ratanlal for her-
self and as G.P.A. on behalf of S. No. 2 to 11,
H. No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Surender Pershad Shri Omkar Pershad
(3-6-601 Himayathnager Hyderabad)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCH)DULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND
situated, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad,
Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District
of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal
limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing
Municipal No. 5-8-512 to 517 C, formed out of 3000 square
yards (three thousand square yards) or there about and
bounded as under :—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel
Emerald.
On or towards the South by Neighbours' Property.
On or towards the East by Neighbours' Property.
On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR
PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal
Nos. 5-8-512 to 517-C, situate, lying and being at Chirag Ali
Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the
Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration
District and Sub-District of Hyderabad more particularly described
in the Schedule 'I' hereinabove written, together with
the entire proprietary rights in all that the premises bearing
Car Park/Storing Unit/Flat No. B-F- () on the
Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085
square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments'
constructed on the said plot admeasuring 3000 square
yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Valluri Kamalamma W/o Krishnamma Naidu
R/o Muddumudi Village Nellore Dist through her
G.P.A. T. Yagnaiah Naidu, R/o Banjara Hills,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M/s Shah Auto Engineering Co. Pvt. Ltd.
5/3/335 R. P. Road Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref No. 189/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of 6-3-661 situated at Somajiguda Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land covering an area of 1600 sq. Yds situated in S. No. 35 of Somajiguda Hyderabad bearing part of M.No. 6.3.661 bounded as follows.

North : Shah Garm construction equipment Co. & petrol pump

South : by c.c. Road.

West : by c.c. Road.

East : M/s Shah sons (P) Ltd.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Date : 5.12.75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naimath Ali Khan, 10.4.31/1 Masab Tank,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. 190/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10.4.31/1 Eastern portion, situated at Masab Tank, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

19—376GI/75

(2) Shri Syed Mohammed, Dist. Development Asst. to the Deputy Commissioner, Gulbarga.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of the house bearing M. No. 10.4.31/1 Masab Tank admeasuring 594 sq. yds. bounded by
North : House belonging to Sri Ibrahim.
South : Murram Road.
East : House belonging to Sri Jugal Kishore.
West : Vendor property.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naimath Ali Khan, 10.4.35/1 Masab Tank,

Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Jameelunissa C/o Sri Syed Mahmood, Dist. Development Asst. to the Deputy Commissioner, Gulbarga.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. 191/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10.4.35/1 Western Portion Masab Tank situated at Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of M. No. 10.4.35/1 with court yard admeasuring 505 sq. yds. situated at Masab Tank, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 192/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B3 F6 situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of Nos. 2 to 11, H. No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Atluri Shivaji Rao,
1-10-123/1, Ashoknager, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517-C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517C, situated, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule I hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B3F6 on the Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments', constructed on the said plot admeasuring 3000 sq. yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of Nos. 2 to 11, H. No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Dr. Atluri Lakshmi,
1-10-123/1, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registration District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517-C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under:—

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T. P. Road.

THE SCHEDULE 'II' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED % SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule 'I' hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. B.F. on the Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments', constructed on the said plot admeasuring 3000 sq. yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. 194/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1.8.522/27 situated at Chikadpally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Mohd. Abdul Gaffar,
4.1.520 Troop Bazar, Hyderabad.
2. Sri M. Mohan Rao,
1-8-522/27 Chikadpally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Suresh Kumar & Mohan Kumar, under the Guardianship of Sri Ganga Rao,
1-2-385, Gagan Mahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house comprising ground floor bearing M. No. 1.8.522/27 of an extent of 368.25 square yards, equivalent to 475.62 square metres, situated at Chikadpally, Hyderabad, bounded as follows :—

On East : By the portion of the house allotted to Shri M. Vinaya Rao.
On the West : By neighbour's property.
On the North : By neighbour's property.
On the South : By 30 feet wide road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Mohd. Abdul Gaffar,
4, 1, 520, Troop Bazar, Hyderabad.
2. Sri M. Mohan Rao,
1-8-522/27, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohan Kumar & Mahender Kumar, Minors
under the Guardianship of Gangaram,
1-8-522/27, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. 195/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1.8.522/27 situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

First floor portion of premises bearing M. No. 1.8.522/27
Chikkadpally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. Anjalal & 5 others,
6-3-111, Premnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri D. Bixapatli
6.2.935/2, Khairatabad, Hyderabad.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. 196/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-635/2 situated at First floor (rear) Khairatabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Khairatabad on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 6.2.935/2 first floor situated at Khairatabad (morefully described in the plan attached to the sale deed Doc. No. 1154).

North : Front portion of the house No. 6.2.935/2, sold to D. Sathyaranayana.
South : Neighbour's house.
East : Open plot Sri Ramutar.
West : Papa Rao's house.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range V,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Anjaiah & 5 others,
6-3-11, Premnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) D. Savitri,
6.2.935/2, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 197/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 6-2-935/2 situated at Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The remaining of ground floor portion of the property bearing M. No. 6.2.935/2 Khairatabad described more fully in the plan attached to Doc. No. 1156/75.

North : Front portion of the house No. 6.2.935/2, sold to D. Sathyanarayana.

South : Neighbour's building.

East : Open plot Sri Ramavtar.

West : Papa Rao's house.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Sgd :

FORM ITNS

(1) Shri D. Anjaiah & 5 others,
6-3-111, Premnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. 198/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of 6.2.935/2
situated at Khairatabad, Hyderabad
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Khairatabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—376GI/75

(2) Shri D. Satyanarayana,
6.2.935/2, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The front portion of the property bearing M. No. 6.2.935/2 Khairatabad, Hyderabad, consisting of the first floor and ground floor more fully described in the plan annexed to the Doc. No. 1152/75.

North : Existing Road.

South : House belonging to D. Bixapathi (first floor)
D. Savitri (Ground floor).

East : Open plot.

West : Building of Papa Rao.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Iqbal S/o late Mohd. Abdur Razaque,
11-6-863, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 199/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of 11-6-863

situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern Portion of the house bearing No. 11-6-863, Red Hills, Hyderabad, admeasuring 870 sq. yds.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-12-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Iqbal S/o late Mohd. Abdur Razaque,
11-6-863, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 200/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of 11-6-863

situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) 1. Abdul Qader,
2. Abdul Waheed,
Sons of late Wali Mohd. residents of Nirmal,
Adilabad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern Portion of the house bearing No. 11-6-863, Red Hills, Hyderabad, admeasuring 878 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxminivas Lahoti, Darulshafa, Hyderabad,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 201/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot

situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Rameshchandra Malpani,
2. Smt. Ayodhyabai,
1-2-32, Domulguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 689 sq. yards situated at Rambagh, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Associated Builders & Real Estate Agents, through its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal for herself and as G.P.A. on behalf of Nos. 2 to 11, H. No. 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Bala Tondon
w/o Gulshan Tondon,
Kiribusi Dist. Singhbhum, Bihar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Ref. No. R.A.C. No. 202/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A, F₈
situated at Poonam Apartment, Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE I REFERRED TO

ALL THAT PIECE OR PARCEL OF LAND OR GROUND situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, Andhra Pradesh in the Registering District and Sub-District of Hyderabad City, Andhra Pradesh in the City and Municipal limits of the Municipal Corporation of Hyderabad, bearing Municipal No. 5-8-512 to 517-C, formed out of 3000 square yards (three thousand square yards) or there about and bounded as under :

On or towards the North by Estate Road facing Hotel Emerald.

On or towards the South by Neighbours' Property.

On or towards the East by Neighbours' Property.

On or towards the West by T.P. Road.

THE SCHEDULE II ABOVE REFERRED TO

ALL THAT THE UNDIVIDED 1.8904% SHARE OR PORTION in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517C, situate, lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad, in the City and Municipal Limits of the Municipal Corporation of Hyderabad in the Registration District and Sub-District of Hyderabad more particularly described in the Schedule I hereinabove written, together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Car Park/Storing Unit/Flat No. A, F₈ on the Ground/First/Second/Third/Fourth Floor admeasuring 1085 square feet in the said Building known as 'Poonam Apartments', constructed on the said plot admeasuring 3000 sq. yards at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Namkari Krishnaiah S/o T. Reddy,
Mulapet, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gurudevi Hamsavenamma W/o Ch. Sudersan-
amvari,
Santhapet, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 14/493, Chinnabazar, Nellore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Manindra Kr. Das,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 27th November 1975

Ref. No. AC-229/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31/1, situated at Dr. Dhirendra Sen Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 275-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) M/s. Kishore Mohan Paul & Krishna Mohan Paul.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 31/1, Dr. Dhirendra Sen Sarani, P.S. Amherst Street, Calcutta.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 27-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mulchand Gupta,
20, Maharshi Debendra Road, Calcutta-7,
(Transferor)

(2) 1. Srinivas Gupta,

2. Rajendra Prasad Gupta of 20, Maharshi Devendra
Rd., Calcutta-7, &

3. Smt. Gita Devi Gupta of 3, Mitra Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1975

Ref. No. Ac-37/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/171A, situated at Diamond Harbour Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas on 29-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4-kottahs & 2-chittaks, Plot No. 171, Block No. G of Hindusthan Co-operative Insurance Ltd., New Alipore Development Scheme No. XV, premises No. 23A/171A, Diamond Harbour Rd., P.S. Alipore, 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Kanehiyalal Tiwari,
resident of Tewariji Ki Haveli,
Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Krishna Kanta Pandey W/o
Shri Phoolchand Pandey,
resident of Ghonsion Ka Rasta,
Ghat Gate, Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 5th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'Said Act', shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/300.—Whereas, I, C. S. Jain,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

13, 14, 15, 16, 17 & 40, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at
Jaipur on 24-5-75

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

THE SCHEDULE

Block No. 13, 14, 15, 16, 17 & 40 out of the property
styled as Jhumarjal Swaroopal Ki Bagichi more fully des-
cribed in the document registered as S. No. 1533 on 24th
May 1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'Said Act', to the following per-
sons, namely :—

21—376GI/75

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 5th December, 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/301.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 3rd June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kauehiyalal Tiwari,
resident of Tewariji Ki Haveli,
Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Chatru Devi W/o Shri Ganpatlal Dangi,
resident of Jhumarlalji Ki Bagichi, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 11 of the property styled as Jhumarlalji Ki Bagichi, Station Road, Polo Victory-Cinema, Jaipur more fully described in document registered at S. No. 1789 by the Sub Registrar, Jaipur on 3rd June 1975.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kanehiyalal Tiwari,
resident of Tewariji Ki Haveli,
Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

(2) 1: Shri Prithi Raj Pareek
S/o Shri Sri Narain Pareek,
resident of Bassi Sitarampura, Jaipur.

2. Smt. Savitri devi W/o Shri Hansraj Pareek,
Advocate, Chandpole Bazar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 5th December 1975

Ref. No. Raj/IAC(ACQ.)/302.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11A, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Block No. 11A of the property styled as Jhumarjal Swaruplal Ki Bagichi, Station Road, Polo Victory Cinema Jaipur more fully described in document registered at S. No. 1493 dated 17-5-1975 by Sub-registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Kanhiyalal Tiwari,
resident of Tewariji Ki Bagichi,
Nahargarh Road, Jaipur.
Nahargarh Road Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramesh Chand Sharma
S/o Shri Ram Chandra Sharma,
resident of Station Road, Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 5th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/303.—Whereas, I, C. S. Jain,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at Jaipur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Jaipur on 19-5-75

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7 of the property styled as Jhumaral Swaruplal
Ki Bagichi, Station Road, Polo Victory Cinema, Jaipur more
fully described in document registered at S. No. 1492 dated
19-5-75 by Sub-registrar, Jaipur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rani Mahendra Kumari, Wd/o
late Maharaja Shri Harisinghji of Jodhpur
R/o Rai Ka Bag Place, Jodhpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 5th December 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/304.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shrimati Chhagnidevi Kothari W/o Bahadursingh.
2. Smt. Kamladevi W/o Umetsingh.
3. Smt. Vimla Devi W/o Bachhraj.
4. Smt. Mrigadevi W/o Shri Prakashchand, R/o Sardarpura, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion 1 of the premises styled as Ice Factory Building Out side Sojati Gate, Jodhpur more fully described in document registered at S. No. 952 dated 24-5-75 by Sub Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. C. Desikachari, S/o
Late A. C. Krishnaswami,
No. 90, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th November 1975

C. R. No. 62/3979/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 16/1,
situated at Woods Street, Ashoknagar, Bangalore-1,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 10-4-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri R. K. Gurulingam, S/o
Shri V. R. Krishnaswamy,
No. 46-B, Khairatabad, Secunderabad,
represented by his Power of Attorney Holder,
Shri M. H. Narayan, S/o Shri M. Hanumantha Sa,
Partner in M/s Prakash Silk House,
369, Chickpet, Bangalore.

(Transferee)

(3) Nil

Person(s) in occupation of the property
(4) Smt. Shivamani, No. 16/1,
Wood Street, Ashok Nagar,
Bangalore-560001.

Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 165/75-76 dated 10-4-1975]
Residential house No. 16/1, Woods Street, Ashok Nagar, Bangalore-1.

Site area :—1651 Sq. ft.,
G. floor : 12.62 Squares, as per pro-forma reply.
I floor : 4.46 Squares, as per pro-forma reply.

Boundaries :

East : Vacant land.
West : No. 16, Woods Street.
North : Woods Street.
South : Richmond Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th November 1975

C.R. No. 62/3985/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a dry land measuring 4 acres 32 guntas and 6 acres 4 guntas in S. No. 100 and 102, Doddathoguru village, Begur Hobli, Bangalore South Taluk, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore South Taluk, Document No. 92/75-76 on 4-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri B. L. Ramaswamy, s/o late Lakshmaiah
2. Shri B. R. Vasudev
3. Shri B. R. Sampathkumar
4. Shri B. R. Venugopal
Sons of Sri B. L. Ramaswamy
5. Shri V. Sunil, s/o B. R. Vasudev, represented by the natural guardian next friend, B. R. Vasudevan, all are residing at No. 61, III Block, Jayanagar, Bangalore-II.
(Transferor)

- (2) Shri K. Doraiswamy Raju, s/o Muniswamy, Raju, No. 761, 33-A Cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 92/75-76 dated 4-4-75)
The property being dry land measuring 4 acres 32 guntas and 6 acres and 3 guntas in S. Nos. 100 and 102, Doddathoguru village Begur Hobli, Bangalore South Taluk

Boundaries :—S. No. 100
East—S. No. 156/2,
West—S. No. 151
North—S. No. 99 and
South—S. No. 102/2

Boundaries :—S. No. 102
East—S. No. 156/2
West—S. No. 102/2
North—S. No. 100 and

South—Village boundary at Kayaangutta Mavangondanally village, Anekal Taluk.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-11-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 21st November 1975

C. R. No. 62/3990/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being dry agricultural land measuring 3 acres in R.S. No. 20 and 2 acres in R.S. No. 21, situated at Chinnappanahalli, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Taluk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bangalore South Taluk, Document No. 248/75-76 on 10-4-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri H. M. Kodandarama Reddy, S/o late Shri Chickka Muniswama Reddy, Chinnappanahalli, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri H. Thippa Reddy, S/O K. M. Tanuma Reddy, Chinnappanahalli, K. R. puram Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 248/75-76 dated 10-4-1975).

The property being dry agricultural land measuring 3 acres in R.S. No. 20 and 2 acres in R.S. No. 21, Chinnappanahalli, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Taluk.

Boundaries :—

East—Public Channel and road,
West—S. No. 24,
North—H. M. Narayana Reddy's land; and
South—Own land.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th November 1975

C.R. No. 62/4005/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being agricultural land measuring 4 acres and 38 guntas in R.S. No. 8, situated at Gangondanahalli village, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Document No. 126/75-76 on 9-4-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—376GI/75

(1) Shri Sajjan R. Rao, represented by his power of Attorney Holder, Shri S. M. Ramakrishna Rao, residing at 'Lakshmi Nivasa', Fort, Bangalore City.

(Transferor)

(2) Shri Mundappa alias Appayanna, S/O late Dodde Gowda, Athiguppe village, Mysore Road, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 126/75-76 dated 9-4-1975).

The property being agricultural land measuring 4 acres and 34 guntas in R.S. No. 8, in Gangondanahalli, village, Yeshwantapur Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries :—

East—Land belonging to Shri Munibairappa in the same R.S. No.

West—Land belonging to the vendor in the same R.S. No.

North—Road,

South—R.S. No. 10 belonging to the same village.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th November 1975

C.R. No. 62/4006/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a revenue land measuring five acres and one gunta in R.S. No. 8, situated at Gangondanahalli village, Yeshwantapur Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Document No. 127/75-76 on 9-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sajjan R. Rao, represented by his Power of Attorney Holder, Shri S. M. Ramakrishna Rao, 'Lakshmi Nivas', Fort, Bangalore city.
(Transferor)

(2) Shri Munibyrappa alias Papanna, S/O Shri Muniyappa alias Appayanna, Athiguppe village, Mysore road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 127/75-76 dated 9-4-1975)

The property being a revenue land measuring Five acres and one gunta in R.S. No. 8, Gangondanahalli village, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk :

Boundaries :—

East—Land belonging to Shri Muniyappa alias Appayanna.

West—Land belonging to the Vendor.

North—Road, and

South—R.S. Nos 8 and 10 belonging to the Gangondanahalli.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-11-75

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th November 1975

C.R. No. 62/4051/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant land measuring 3 acres and 35 guntas in S. No. old 169/2 and present R.S. No. 358, Kempapura Agrahara, Kasaba Hobli, situated at Bangalore North Taluk (Corporation Dn. No. 21)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram Bangalore Document No. 39/75-76 on 3-4-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely—

(1) Smt. Akkayamma w/o Sri Hanumanthappa, Magadi road, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Bangalore city.

(Transferor)

(2) Smt. Annapoornamma, w/o T. S. Chandrashekara No. 1681, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 39/75-76 dated 3-4-75).

The property being a vacant land measuring 3 acres and 35 guntas in S. No. old 169/2 and present R.S. No. 358, Kempapura Agrahara, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (Corporation Dn. No. 21).

Boundaries:—

East—land belonging to Vinaya House Building Co-Operative Society.

West—Open low lying drain passes through the Govt. land.

North—Land belonging to Sri Mallanna.

South—Land belonging to Sri Yellappa.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4049/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____, the property being revenue land measuring one acre and 27 guntas in old S. No. 145 and present S. No. 335 (Corporation Division No. 21) situated at Attiguppa village, Kempapura Agrahara, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriramapuram, Bangalore Document No. 23/75-76 on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Muniyappa alias Appayanna, S/o late Doddha Gowda
- (ii) Shri Munivairappa alias Papanna, S/o Muniyappa alias Appayanna, Attiguppa Village, Mysore Road, Bangalore City.

(Transferor)

- (2) Shri G. Krishnappa, S/o Shri Gummaiah, No. 156, 4th Main Road, Chamarajapet, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 23/75-76 dated 2-4-75)

The property being revenue land measuring one acre and 27 guntas in old S. No. 45 and present S. No. 335 (Corporation Division No. 21), Attiguppa Village, Kempapura Agrahara, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk,

Boundaries :—

East—Krishnappa's land

West—Remaining portion of land in same survey No. retained by vendor.

North—Government Road

South—Hanumanthappa's land

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 13th November 1975

C.R. No. 62/4062/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern portion of the premises bearing Old No. 5, New No. 8, situated at Harris Road, Benson Town, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 321/75-76 on 21-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anna Kurian W/O late P. K. Kurian, B. 50, Greater Kailash, New Delhi 48, represented herein by her agent and Power of Attorney Holder, Shri K. Kurian, S/o Mrs. A. Kurian, Camping at Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri S. M. Abdul Raheem, S/O late A. Mohammed Saleh, No. 65, Bamboo Bazaar, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 321/75-76 dated 21-4-75)

Northern portion of the premises bearing Old No. 5, New No. 8, Harris Road, Benson Town, Civil Station, Bangalore.

Site area:—

North—143'

South—139'

East—604'

West—65'

Boundaries:—

North by—Portion of 7, Harris Road,

South by—Southern portion of the Schedule premises sold to Shri S. M. Abdul Kareem.

East by—Neighbour's property.

West by—Harris Road.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-11-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C.R. No. 62/4063/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern portion of premises bearing Old No. 5, New No. 8, situated at Harris Road, Benson Town, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore, Doc. No. 322/75-76 on 21-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anna Kurian, W/O late P. K. Kurian, No. 50, Greater Kailash, New Delhi-48, represented herein by her Agent and Power of Attorney Holder, Shri K. Kurian, S/O Mrs. A. Kurian, camping at Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri S. M. Abdul Kareem, S/O late A. Mohammed Saleh, No. 65, Bamboo Bazaar Civil Station, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 322/75-76 dated 21-4-75)

Southern portion of premises bearing Old No. 5 New No. 8, Harris Road, Benson Town, Civil Station, Bangalore.

Site area :—

North—139'
South—129'
East—60½'
West—65'

Boundaries :—

North—Northern portion of the house sold to Shri S. M. Abdul Rahim.
South—No. 9, Harris Road.
East—Neighbour's property.
West—Portion of Harris Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. C. Wallwork,
No. 30, Davis Road,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
BANGALORE-27

(2) Shri K. Rangaswamy,
S/o. Late N. Kenchappa,
No. 101, Old Madras Road,
Ulsoor, Bangalore

(Transferee)

(3) Shri S. J. Michael.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4069/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, B. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 'E' in premises No. 6 North Road situated at Richards Town, Bangalore

Shivaji Nagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Document No. 403/75-76 on 28-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 403/75-76 dated 28-4-75)
Plot 'G' in premises No. 6, North Road, Richards Town Bangalore.

$$\frac{42' + 40'}{2} \times \frac{78' + 79'}{2} = 3218 \text{ Sq. ft.}$$

Boundaries :

North : Plots 'A' and 'B' sold to purchaser and Shri K. Vasanthkumar 78'.

South : Plot 'F' sold to Mrs. Sunanda 79'

West : No. 7, North Road, 42' and

East : Common Roadway 40'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. C. Wallwork,
No. 30, Davis Road,
Bangalore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Rangaswamy,
S/o. Late N. Kenchappa,
No. 191, Old Madras Road,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

(3) Shri S. J. Michael.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4070/75-76/Acq(B).—Whereas, I, B. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 'E' in premises No. 6, North Road situated at Richards Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 404/75-76 on 28-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 404/75-76 dated 28-4-75)
Plot 'E' in premises No. 6, North Road, Richards Town Bangalore.

Site area :

$$\frac{39' 6'' + 38'}{2} \times \frac{80' + 85'}{2} = 3187 \text{ Sq. ft.}$$

Boundaries :
 North : Plot 'D' sold to Shri Vasantkumar 85'
 South : No. 30 Davis Road 85'
 East : No. 5, North Road 38'
 West : Common Road way 39'-6"

B. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. C. Wallwork,
No. 30, Davis Road,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Vasanth Kumar,
S/o late N. Kanchappa,
No. 101, Old Madras Road,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

(3) Shri S. J. Michael.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4069/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, B. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 'D' in premises No. 6, North Road situated at Richards Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 407/75-76 on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23-376GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 407/75-76 dated 28-4-75).
Plot 'D' in premises No. 6, North Road, Richards Town, Bangalore.

Site area :

$$\frac{39'6''+38'}{2} \times \frac{87'+85'}{2} = 3332 \text{ sq. ft.}$$

Boundaries :

North : Plots B and C sold to Nagaraj 87'
South : Plot E sold to Mrs. Sunanda 85'
West : Common road way 39'-6"
East : No. 5, North Road, 38'

B. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. C. Wallwork,
No. 30, Davis Road,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Nagaraj, S/o Venkatappa,
No. 101, Old Madras Road,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri S. J. Michael,
[Person(s) in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4072/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot 'C' in premises No. 6, North Road situated at Richards Town Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore

Document No. 408/75-76 on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 408/75-76 dated 28-4-75)
Plot 'C' in premises No. 6, North Road, Richards Town Bangalore.

Site area :

$$\frac{32' + 30'}{2} \times \frac{66' + 64'}{2} = 2,015 \text{ Sq. ft.}$$

Boundaries :

North : Part of premises No. 6, North Road 66'
South : Plot No. 'D' sold to K. Vasanth Kumar 64'
East : Premises No. 5, North Road 32'
West : Plot 'B' sold to K. Vasanth Kumar 30'

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. C. Wallwork,
No. 30, Davis Road,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4073/75-76/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot 'F' in premises No. 6. North Road situated at Richards Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 409/75-76 on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. K. Sunanda W/o Shri B. L. Raju,
No. 101, Old Madras Road,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

(3) Shri. S. J. Michael.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 409/75-76 dated 28-4-75).

Plot 'F' in premises No. 6, North Road, Richards Town, Bangalore.

Site area :

40' + 42'	79' + 79'.6"	
—	—	= 3249 sq. ft.
2	2	

Boundaries :

North : Plot No. 'G' sold to Shri K. Rangaswamy 79'

South : Premises 29, Davis Road, 79'-6"

East : by Common Road way 40'

West : No. 7, North Road 42'

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st November 1975

C.R. No. 62/4074/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing Vacant Plot of land bearing No. 48 (Division No. 49) situated at St. Thomas Town, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 412/75-76 on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri I. L. Swamy,
S/o Shri Innasappa Naidu,
Bowring Hospital Quarters,
Bangalore.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Annamma Pillay,
W/o Shri P. A. Pillay, and
(ii) Miss. Saramma Charian,
D/o Shri K. C. Cherian,
both residing at 2/1, 2nd Cross,
Hutchins Road, St. Thomas Town,
Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 412/75-76 dated 28-4-1975)
Vacant Plot of land bearing No. 48 (Corporation Division No. 49), St. Thomas Town, Bangalore-5.

Site Area :

70'×65' : 4550 Sq. ft.

Boundaries

North : 30ft. Road as Post Office road

South : Vendor's Property

East : Plot No. 49-B. and

West : Property belonging to sisters of St. Charles.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Basavaraju,
S/o late Shri P. Veeraiah,
Vegetable Merchant,
Mandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

(2) Smt. V. Ratnamma,
W/o Shri G. Chandrayya,
(D/o Shivalingaiah) Door No. 841,
100' Road, Mandy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 21st November 1975

CR. No. 62/4076/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a residential house, bearing No. 841, (Asst. No. 1602/2517) situated at 100' Main Road, Mandy,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandy.

Document No. 420/75-76 on 25-4-1975

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 420/75-76 dated 25-4-1975)
The property being a residential house bearing No. 841 (Asst. No. 1602/2517), 100' Main Road, Mandy.

Site area :

E—W : 40'
N—S : 60' 2400 Sq. ft.

Boundaries :

East : Survey Siddappa's house
West : Hospital Siddaiah's house
North : 100' road, and
South : K. Boregowda's house

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. C. Iyya, S/o Sri. K. Puttu Rao, No. P. 44
(456, Upper Palace Orchards) Sadashivanagar,
Bangalore-6.

(Transfeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Waheedunnisa Begum, W/O Sri Mohammed Ali, No. 2, Race Course Road, Bangalore-1.
(Transfree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C.R.No. 62/4096/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Southern side of the building site No. 46 (Northern half) situated at Raja Mahal Vilas Extension, Sadashiva Nagar, Bangalore (Corporation Division No. 45) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 224/75-76 on 7-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 224/75-76 dated 7-4-75)
Southern side of the building site No. 46 (Northern half)
Raja Mahal Vilas Extension, Sadashivanagar, Bangalore-6.
(Corporation Division No. 45).

Site area :

E-W : 127' }
N-S : 42 $\frac{1}{2}$ ' } 5334 Sq. ft.

Boundaries :—

East : Site No. 43.

West : Road,

North : Remaining portion of site No. 46, and

South : Site No. 47.

R. KRISHANAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. C. Iyya, S/o Sri K. Puttu Rao, No. P. 44
(456, Upper Palace Orchards) Sadashivanagar,
Bangalore-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C.R.No. 62/4997/75-76Acq.(B).—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building Site bearing No. 46 (Southern half) situated at Raja Mahal Vilas Extension, Sadashivanagar, Bangalore (Corporation Division 45).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 225/75-76 on 7-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt Rehana, DO Sri Mohammed Ali, No. 2, Race View, Race Course Road, Bangalore-1.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 225/75-76 dated 7-4-1975)

Building Site bearing No. 46 (Southern half), Raja Mahal Vilas Extension, Sadashivanagar, Bangalore-6, (Corporation Division No. 45).

Site area :—

E to W : 127' }
N to S : 424' } 5334 Sq. ft.,

Boundaries :—

East : Site No. 43

West : Road,

North : Site No. 45, and

South : Remaining portion of site No. 46.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Premalatha A. Kothavale, No. 74, Miller Road, Bangalore-52.
(Transferor)

(2) (1) Shri Chhotubhai Bhikabhai Patel and
(2) Smt. Malati Chhotubhai Patel, No. 285/9/1, Palace Upper Orchards, Bangalore-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th November 1975

C.R. No. 62/4101/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site of part of Plot No. 260, situated at Upper Palace Orchards, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, on 23-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 368/75-76 dated 23-4-1975]

The property being a vacant site of part of Plot No. 260, Upper Palace Orchards, Bangalore.

Site area :—

20' x 91' = 1,820 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Banagole-27, the 10th November 1975

C.R. No. 62/4104/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. Krishna-moorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

All that piece and parcel of vacant land being part of No. 1-D (Old No. 5), situated at Palace Road, North Eastern Range of the Corporation of the city of Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-37(C1/75

(1) (i) Shri K. Basavaraj Urs, S/o, Late Muddaraj Urs, by his Power of Attorney holder, Shri K. B. Ramachandraraj Urs.
(ii) Shri K. B. Ramachandraraj Urs, S/o Shri K. Basavaraj Urs, 'Sri Rama Leela' No. 5 (Old) No. 1A, Palace Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Smt. S. D. Nirmala, W/o Shri D. M. Shivaswamy, No. 26, Viswanatha Rao Road, Madhavanagar, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 392/75-76 Dated 16-4-1975]

All that piece and parcel of vacant land being part of No. 1-D (Old No. 5), Palace Road, North Eastern Range of the Corporation of the city of Bangalore.

Site area :—

Northern side : 90 ft.
South : Eastern Side : 134 ft.
Western side : 95 ft.

Boundaries :—

North by : the site conveyed to Shri D. M. Shivaswamy.
South East by : Compound and Government land,
West by : land belonging to vendors and Shri Narasimhan.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C.R. No. 62/4110-75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna moorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanctioned Plot No. 17 (in private layout) in Premises No. 1/21, situated at Raja Mahal Vilas Extension Bellary Road, Banagolte (Corporation Division No. 45) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 489/75-76 on 30-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

(1) M/S Vishvarama Hotels Limited, No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards, Bangalore-6, Registered Office :—'Marshell House, No. 1, Hanuman Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Shri M. Varadaraju S/o Mr. M. Muniswamy Raju, No. 2, 3rd Temple Road, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferee)

(4) M/s Redors, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-1.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered in Document No. 489/75-76 dated 30-4-1975]

Sanctioned Plot No. 17 (in Private layout) in premises No. 1/21, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45)

Site area :—

East to West : 70' }

North to South : 90' } 6300 Sq. ft.

Boundaries—

East : Corporation Layout Road

West : Plot No. 16

North : Plot No. 10

South : Corporation Layout Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th November 1975

C.R. No. 62/4138/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site bearing C.I.T.B. No. 1162 and Corporation No. 1162/11, 24th 'A' Main Road, situated at IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Corporation Division No. 35)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore

Document No. 71/75-76 on 5-4-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Suryanarayana S/o Shri K. S. Ramachandra Iyer, No. 1145, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferor)

(2) Shri H. N. Raghavendra, S/O Shri H. S. Narayana Setty, No. 179, III Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 71/75-76 dated 5-4-1975)

Vacant site bearing C.I.T.B. No. 1162 and Corporation No. 1162/11, situated in the 24th 'A' Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Corporation Division No. 35)

Site area:—

E to W : 90' } 4050 Sq. ft.
N to S : 45'

Boundaries:

North : Site No. 1161
South : Site No. 1163
East : 24th 'A' Main Road, and
West : Site No. 1157

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lakshme Gowda S/o Sri Lakke Gowda, No. 245, 3rd Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore. 11. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C.R.No. 62/4143/75-76/Acq. (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a residential house bearing Municipal No. 12, Kanakanapalya (Corporation Division No. 34), II Block, Jayanagar, Bangalore-11, situated at Kanakanapalya, II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 183/75-76 on 16.4.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (i) Shri T. G. Basavaraju,
(ii) Shri T. G. Shanmugappa
(iii) Shri T. G. Paramashivaiah sons of Shri B. Gurubasappa, all are residing at Tavarekare Kasaba, Magadi Taluk, Blore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

(Registered in Document No. 183/75-76 dated 16-4-75.)
The property being a residential house bearing No. 12 Kanakanapalya (Corporation Division No. 34), II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Site area :

E W 30 ft. } 1200 sft.
N S 40 ft. }

Ground floor = 6 Squares.
First floor = 6 Squares.

Boundaries :

East : Shamanna's house.
West : Kempaiah's house.
North : Road
South : House belonging to Maragelasade Ramaiah.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10.11.1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, 25th November 1975

C. R. No. 62/4145/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Converted site Nos. 1/11, 1/12, 1/27 and 1/28, Venkatappa Block, situated at Guruvappanapalya, Bangalore-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 261/75-76 on 21-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Venkatesappa, S/O Kollappa, No. 40/46, Ramamandir Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferor)
- (2) Shri V. Ramalingam, S/O T. Velu, Narayanaswamy Gardens, Jayachamarajendra Road, Bangalore city.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 261/75-76 dated 21-4-1975).

Converted site Nos. 1/11, 1/12, 1/27 and 1/28, Venkatappa Block, Guruvappanapalya Bangalore-2.

(1) Site No. 1/11 : E—W : 30' × N—S 40' = 1,200 Sq. ft.,

Boundaries :—

E : Site No. 1/12,
W : Site No. 1/10,
N : Road, and
S : Site No. 1/28,

(2) Site No. 1/12 : E—W : 40' 6" × N—S : 40' = 1,620 Sq. ft.,

Boundaries :—

E : Site No. 1/26,
W : Site No. 1/28,
N : Site No. 1/12, and
S : Road.

(3) Site No. 1/27 : E—W : 53' × N—S : 40' = 2,120 Sq. ft.,

E : Site No. 1/26,
W : Site No. 1/12,
N : Site No. 1/28, and
S : Road.

(4) Site No. 1/28 : E—W : 30' × N—S 40' = 1,200 Sq. ft.,

E : Site No. 1/27,
W : Site No. 1/29,
N : Site No. 1/11, and
S : Road

Total :— 6,140
area Sq. ft.,

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th November 1975

C.R. No. 62/4146/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing converted residential site Nos. 1/7, 1/8, 1/31 and 1/32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 Document No. 262/75-76 on 21-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. K. Venkatesappa, S/o Sri Kollappa, No. 40/46 Ramamandir Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferor)

(2) Shri P. Susai, S/O Shri Pillappa, No. 46, Kamala Nehru Nagar Road, Bangalore-18.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 262/75-76 dated 21-4-1975). Converted residential site Nos. 1/7, 1/8, 1/31 and 1/32, Venkatappa Block, Guruvappanapalya, Bangalore-29.

Site Area

(1) Site No. 1/7 : E—W : 30' × N—S 40' =1,200 Sq. ft.

Boundaries :—
E : Site No. 1/7,
W : Road.
N : Road,
S : Site No. 1/32.

(2) Site No. 1/8 : E—W : 30' × N—S : 40' =1,200 Sq. ft.

Boundaries :—
E : Site No. 1/9,
W : Site No. 1/7,
N : Road,
S : Site No. 1/31.

(3) Site No. 1/31 : E—W 30' × N—S : 40' =1,200 Sq. ft.

Boundaries :—
E : Site No. 1/30,
W : Site No. 1/39,
N : Site No. 1/8,
S : Road.

(4) Site No. 1/32 : E—W : 30' × N—S : 40' =1,200 Sq. ft.

Total area : 4,800 (Sq. ft.)

Boundaries :—
E : Site No. 1/31,
W : Road,
N : Site No. 1/7,
S : Road.

Total area : 4,800 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-27, the 13th November 1975

C. R. No. 62/4158/75-75/Acq/B.—Whereas. I. R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a vacant residential site bearing No. 7/37 (situated in S. No. 8/1, Byrasandra village Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk) now known as Corporation Division No. 35, situated at 10th Cross Road, 12th Main (as per Sale Deed) 1 Block, East Jayanagar, Bangalore-11. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 Doc. No. 372/75-76 on 30-4-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

(1) Shri Chamandal Mehra, S/O Lal Kharaitaram Mehra, C/o Messrs. Shawal Museum C.I. College, Street, Market, Calcutta-12.
(Transferor)

(2) (i) Shri S. H. M. Wawa Saheb S/o Sahul Ahmed, (ii) Shri Ahmed Basheer, S/o Shri S. H. M. Wawa Saheb, both presently residing at No. 471, 39th Cross, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 372/75-76 Dated 30-4-1975)

The property being a vacant residential site bearing No. 7/37, (situated in S. No. 8/1, Byrasandra village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk), now known as Corporation Division No. 35, 10th Cross Road, 12th Main (as per Sale Deed) 1 Block, East Jayanagar, Bangalore-11.

Site area :

E—W : 78' × N—E 40' = 3,120 Sq. Ft.

Boundaries :—

North : 10th Cross Road,
South : Private approved layout.
East : Site No. 8/36.
West : Site No. 6/38.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-27, the 14th November 1975

C.R. No. 62/4242/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sites bearing No. 96/13 and 97/14, 1st Cross, situated at Shankarappa Block, Lakkasandra, Bangalore, (Corporation Division No. 39) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 280/75-76 on 22-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Walter John Cunha, S/o Shri Louis B. Cunha, residing at Kuwait, Arabian Gulf, represented by his Power of Attorney, Smt. Winnifred F. Fernandes, M.L.A., W/o Shri L. M. Fernandes Fredsvilla Church Road, Coondapoor S. K.

(Transferor)

(2) Shri N. Ramachandra Naidu, S/o Narayanaswamy Naidu, No. 6/1, III Cros, Shamanna Garden, Bannerghatta Road, Bangalore-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 280/75-76 dated 22-4-1975).
Sites bearing No. 96/13 and 97/14, 1st Cross, Shankarappa Block, Lakkasandra, Bangalore (Corporation Division No. 39)

Site area :

East to West	70'	}
North to South	60'	

Boundaries :—

East : Open space of S. No. 11,
West : Site No. 95,
North : Open drain;
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4324/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. sanctioned plot No. 15 (in private layout) in premises No. 1/21 situated at Raj Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45) (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ganapathinagar, Bangalore—Document No. 812/75-76 on 16-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—376GI/75

- (1) M/s. Vishvarama Hotels Limited, No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards, Bangalore-6.
Registered Office : "Marshall House", No. 1, Hanuman Road, New Delhi-110001.
(Transferor)
- (2) Shri N. S. Krishnaswamy, S/o Shri N. Subbarayappa, No. 152, 6th Cross, Lower Palace Orchards, Bangalore-6.
(Transferee)

- (4) M/s. Redros, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-1.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 812/76-76 Dated 16-5-1975). Sanctioned plot No. 15 (in private layout) in premises No. 1/21, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45).

Site area :

E—W : 90' } 5400 sq. ft.
N—S : 60' }

Boundaries :

East : Plot No. 16
West : Plot No. 14
North : Plot No. 11 and
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4325/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanctioned Plot No. 25, (in private layout), in premises No. 1/21, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-6 (Corporation Division No. 45). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 16-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishvarama Hotels Limited, No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards, Bangalore-6, Regd. Office: 'Marshall House, No. 1 Hanuman Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalaben, W/o Shri Babubhai N. Patel, No. 45, Palace Orchards, Bangalore-6.

(Transferee)

(4) M/s Redros, No. 42 Kasturba Road Cross, Bangalore-1. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 814/75-76 Dated 16-5-1975)
Sanctioned Plot No. 25 (in private layout) in premises No. 1/21 Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45)

Site area:—

E—W : 90'	}	5,400 Sq. ft.
N—S : 60'	}	

Boundaries:—

East: Plot No. 26
West: Plot No. 24
North: Plot No. 20; and
South: Existing Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Noor Zaiba Turabi, D/o Sri Abdul Ghani Saheb, No. 4, IV Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27. (Transferor)

(2) Smt. B. N. Gangu, W/o Shri M. Giriappa, Masarakunte village, Sira Taluk, Tumkur District. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4331/75-76/Acq.(B).—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 275 situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 94/75-76 on 5-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 94/75-76 dated 5-4-1975)

The property being a vacant site bearing No. 275, Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore-6,

Site area :—

E to W: 45' } 3.150 Sq. ft.
N to S: 70' }

Boundaries :

East : Site No. 274
West : Site 275/1
North : Road,
South : Site No. 319.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4338/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanctioned Plot No. 3 (in private layout) in premises No. 1/21, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore, (Corporation Division No. 45), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Vishvarama Hotels Limited, No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards Bangalore-6, Registered Office: 'Marshall House' No. 1, Hanuman Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Dr. Ramanand Hegde (D.M.O.), S/o Sri Ananth Shetty, (presently residing in Maydena, Tasmania, Australia) represented by his Power of Attorney Holder Shri K. Manjayya Shetty, S/o Sri Sesu Shetty—Achit Hosamane, PO: Badga—Bellore, Buntwal Taluk, S.K. District.

(Transferee)

*(4) M/s Redros, No. 42 Kasturba Road Cross, Bangalore-1. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 582/75-76 Dated 5-5-1975)
Sanctioned Plot No. 3 (in private layout) in premises No. 1/21, Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45).

Site area:—

N—S: 75'

E—W: 120'

}

9,000 Sq. ft.

Boundaries:—

East: Bellary road.

West: Plot Nos. 6 and 7.

North: Plot No. 2, and

South: Plot No. 4.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-11-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGS,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4339/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanctioned Corner Plot No. 23 (in private layout) in premises No. 1/21 Raja Mahal Vilas Extension, situated at Bellary Road, Bangalore, (Corporation Division No. 45), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudmangan, Bangalore, on 28-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s, Vishvarama Hotels Limited, No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards Bangalore-6, Registered Office: 'Marshall House' No. 1, Hanuman Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shrimati D. R. Anuradha Reddy, W/o D. R. Rajagopal Reddy, No. 599, Sadashivanagar, Upper Palace Orchards, Bangalore.

(Transferee)

* (3) Nil
[Person(s) in occupation of the property].

* (4) M/s Redros, No. 42 Kasturba Road Cross, Bangalore-1.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 592/75-76 Dated 28-4-1975)
Sanctioned corner Plot No. 23 (in private layout) in Premises No.

1/21, Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45).

Site area :—

E—W : 60'
N—S : 90' } 5,400 Sq. ft.

Boundaries :

East : Plot No. 24.
West : Corporation layout Road.
North : Plot No. 22.
South : Corporation layout road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

C. R. No. 62/4340/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanctioned Plot No. 20, (in private layout) in premises No. 1/21, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore, (Corporation Division No. 45), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, on 28-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vishvarama Hotels Limited No. 1/21, Bellary Road, Palace Upper Orchards Bangalore-6. Registered Office : 'Marshall House' No. 1, Hanuman Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri M. Jangamanna S/o late M. Munivenkatappa, No. 9/1, I Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18 (Transferee)

(3) Nil
[Person(s) in occupation of the property].

(4) M/s Redros, No. 42 Kasturba Road Cross, Bangalore-1.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 593/75-76 Dated 28-4-1975)
Sanctioned Plot No. 20 (in private layout) in premises No. 1/21, Raja Mahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore (Corporation Division No. 45).

Site area :—

N—S : 90' }
E—W : 60' } 5,400 Sq. ft.

Boundaries :

East : Plot No. 19.
West : Plot No. 21.
North : Corporation layout road, and
South : Plot No. 25.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh & Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. & District Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tilak Raj s/o Shri Dhani Ram, Kt. Bhai Sant Singh, Beri Gate, Amritsar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/208/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 378 & 379 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh & Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. & District Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/209/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Satya Parkash s/o Shri Panna Lal, Kt. Chatri Singh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 289 & 295 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh & Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. & District, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/210/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Suniti Kumar s/o Shri Baldev Raj, 32 Green Avenue, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 284 and 288 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/211/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh & Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. & District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pashori Lal s/o Shri Munshi Ram r/o Muslim Ganj, Amritsar. Smt. Parkash Wati w/o Shri Chiman Lal r/o Muslim Ganj, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 291 and 292 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh and Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. and District Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/212/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Janak Raj s/o Shri Dhani Ram, Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 293 and 294 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh and Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh, and District Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Lakshmi Woster Udyog, I/s Chatiwind Gate, Amritsar, M/s Kohinoor Textile Mills I/s Chatiwind Gate, Amritsar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 5th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/213/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 283 and 296 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/214/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chamrang Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Gurbachan Singh and Smt. Mohinder Kaur Wd/o Shri Gurbachan Singh r/o V. Tungpai Teh. and District Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Harcharan Singh, Harbhajan Singh, Ajaib Singh, Surjit Singh ss/o Shri Dayal Singh, Br. Lachhman sar, Amritsar. Smt. Sudershan w/o Shri Jugal Kishore and Smt. Arvan Prabha w/o Shri Bhajan Lal, Br. Sirki Bandan, Amritsar. M/s Lakshmi Woster Udyog, M/s Kohinoor Tex. Mills, I/s Chatiwind Gate, Amritsar. Shri Janak Raj s/o Dhani Ram, Dhab Khatikan, Amritsar. Pishori Lal s/o Shri Munshi Ram, Smt. Parkash Wati w/o Sh. Chaman Lal, Muslim Ganj, Amritsar. Shri Suniti Kumar s/o Shri Baldev Raj, 32, Green Avenue, Amritsar. Shri Satya Parkash s/o Shri Panna Lal, Kt. Charat Singh, Amritsar. Shri Tilak Raj s/o Shri Dhani Ram, Kt. Bhai Sant Singh, Beri Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 290, 286, 283, 296, 293, 294, 291, 292, 284, 288, 289, 295, 378 and 379 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Chand Mehra s/o Shri R. B. Labh
Chand Mehra r/o Mall Road, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/215/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half plot No. 44 situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Narain Dass Arora s/o Shri Bishan Dass Arora, 32 R. B. Parkash Chand Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half plot No. 44 on R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 260 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Mohan Lal, 5 Braham Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Lal Sethi s/o Shri Harnarain Sethi and Smt. Ram Lubhai Sethi w/o Shri Banarsi Lal Sethi O/o Chowk Lohgarh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/216/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Tungbala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 121 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1975

Ref. No. ASR/217/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half kothi situated at Gopal Nagar, Majitha Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Amritsar in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Joginder Inder Pal Singh s/o Shri Garib Singh r/o Gopal Nagar, Majitha Road, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shri Pritpal Singh s/o Shri Nand Singh r/o Katra Sher Singh Amritsar Now Manager United Commercial Bank, Rainka Distt, Sirmor, (Nahan State). (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Sh. O. P. Bangur & Dr. Inderjit Singh Gill) (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Kothi in Gopal Nagar, Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1141 of April 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Malti Anand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Sudesh Rani Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 26th November 1975

Ref. No. 93-S/A/Acq.—Whereas, I, Bishambher Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CK 26/7, situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 12-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/4th share in one house No. CK-26/7 situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

27-376GI/75

Date : 26-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lata Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Rani Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 26th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one house No. CK-26/7 situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 26-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakuntla Devi Chaddha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Rani Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 26th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 93-S/C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and CK, 26/7, situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi, bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 12-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4th share in one house No. CK-26/7 situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date: 26-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti Devi Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Rani Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
LUCKNOW.

Lucknow, the 26th November 1975

Ref. No. 93-S/D/Acq. Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CK 26/7, situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 12-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one house No. CK-26/7 situated at Mohalla Kachauri Gali, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 26-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chaman Lal Chaudhry,
a/o Late Shri Girdhari Lal,
50, The Mall, Meerut Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunder Lal, s/o
Shri Daulat Ram,
Resident of B-I/1371,
Chowki Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref. No. LDH/1328/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Property No. B-I/184, Kailash Chowk, situated at Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kailash Chowk, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 86 of April, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 6-12-1975.

Seal :

